RNI No.
RJBIL/26/A5611

जयपुर, राजस्थान
मौसम

अधिकतम	न्यूनतम
31.0°C	24.0°C

सूर्योदय	सूर्यास्त
6:12 AM	6:33 PM

दैनिक
ज़ूम न्यूज़ राजस्थान
खबरों की दुनिया में आपका भरोसेमंद साथी

संपर्क करें
9461119998
info@zoomnews.in
www.zoomnews.in

वर्ष: 01 | अंक: 64 | पृष्ठ: 8 | मूल्य: ₹2.00 | जयपुर, गुरुवार 17 सितंबर, 2026 | जयपुर, राजस्थान | राज्य: 01 | अंग्रेजी/हिन्दी (द्विभाषिक दैनिक)

मेघालय में UDP के 8 विधायक थामेंगे बीजेपी का दामन, केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने मानी उनकी मांगे

जूम न्यूज़

शिलांग। मेघालय में UDP के आठ विधायक BJP में शामिल होंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि कोयला खनन और खासी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने जैसी उनकी मांगों पर अगले विधानसभा चुनाव से पहले कार्रवाई की जाएगी। UDP अभी NPP के नेतृत्व वाले 'मेघालय डेमोक्रेटिक अलायंस' (MDA) का दूसरा सबसे बड़ा सहयोगी दल है, जिसके 12 विधायक हैं। इनमें से दो विधायक कॉनराड के. संगमा की सरकार में मंत्री हैं। अगर इसके आठ विधायक पाला बदलते हैं, तो इससे सत्ताधारी गठबंधन का स्वरूप काफी बदल जाएगा और 60 सदस्यों वाली विधानसभा में बीजेपी की ताकत दो से बढ़कर 10 हो जाएगी। इससे मंत्रियों के प्रतिनिधित्व और नीतिगत प्राथमिकताओं पर बीजेपी का प्रभाव बढ़ेगा, क्योंकि राज्य में 2028 में विधानसभा चुनाव होने हैं। संगमा के नेतृत्व वाली NPP के पास 33 विधायक हैं, जबकि उसकी सहयोगी पार्टी HSDP के दो सदस्य हैं और दो निर्दलीय विधायक सरकार का समर्थन कर रहे हैं, जिससे सत्ताधारी MDA की कुल संख्या 51 हो जाती है।

आज 76वां जन्मदिन मना रहे हैं PM मोदी, BJP करेगी संकल्प सेवा अभियान की शुरुआत, उज्जैन में होगा दीपोत्सव

जूम न्यूज़

नई दिल्ली। आज 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्मदिन है और दुनियाभर से उन्हें बधाइयों का तांता लगा हुआ है। साथ ही आज देश के कई इलाकों में तरह तरह के प्रोग्राम आयोजित किये जा रहे हैं। बीजेपी और केन्द्रीय मंत्रियों ने आज पीएम मोदी को उनकी पच्चीस साल की सार्वजनिक सेवा के लिए आशीर्वाद देने के लिए दीया जलाने का आह्वान किया है। आज से लेकर 17 अक्टूबर तक बीजेपी संकल्प सेवा अभियान की शुरुआत कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज खुद दिल्ली में रहेंगे। पीएम मोदी दिल्ली में SEMICON India 2026 का उद्घाटन करेंगे और इस मौके पर प्रधानमंत्री कार्यक्रम को संबोधित भी करेंगे। गुजरात में कार्यक्रमों की शुरुआत हो चुकी है। अहमदाबाद में पीएम मोदी की लंबी उम्र के लिए 11 हजार दीये जलाए गए। आज अमित शाह जगन्नाथ मंदिर में विशेष आरती करेंगे। पीएम मोदी के गृहनगर से उनके संसदीय क्षेत्र वाराणसी तक एक बड़ी बाइक रैली की भी तैयारी की गई है। ये बाइक रैली वाराणसी से भी चलेगी जिसे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ हरी झंडी दिखाएंगे। ये बाइक रैली देश के दस राज्यों के 193 जिलों के 1 हजार 159 गांवों में जाएगी। पीएम मोदी के होमटाउन वडनगर में भी आज जन्मदिन को बड़े पैमाने पर मनाने की तैयारी चल रही है। वडनगर में आज आयोजनों की शुरुआत एक बड़ी कलश यात्रा के साथ होगी। गुजरात के चार बड़े मंदिरों से निकली कलश यात्रा वडनगर पहुंच रही है। इसके साथ ही आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह वडनगर से बाइक रैली को हरी झंडी दिखाएंगे। इस बाइक रैली में 250 बाइक सवार निकलेंगे। ये यात्रा देश के 10 राज्यों में जाएगी। 193 जिलों में 1 हजार 195 गावों में जाएगी और लोगों से बातचीत की जाएगी। वडनगर में अमित शाह बाइक रैली को रवाना करेंगे तो वाराणसी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ इस बाइक रैली को हरी झंडी दिखाएंगे। काशी से वडनगर के लिए सेवा संकल्प बाइक रैली में करीब 500 सेवा यात्री होंगे। इस कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, चिराग पासवान, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, बृजेश पाठक और यूपी बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी सहित कई दिग्गज शामिल होंगे। गुजरात बीजेपी के प्रवक्ता अनिल पटेल ने बताया कि इस रैली के जरिये बीजेपी का लक्ष्य देश के हर नागरिक तक पहुंचने का है। मध्य प्रदेश में आज उज्जैन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिन के मौके पर दीपोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान उज्जैन के शिप्रा घाटों को 25 लाख से अधिक दीयों से रोशन किया जाएगा जिसमें 30 हजार के करीब वालंटियर शामिल होंगे। हाल ही में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने PM मोदी के 25 साल के राजनीतिक सफर पर होने कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी थी। काशी में बाइक यात्रा की खास तैयारियां की गई हैं। यात्रा के लिए नई मोटर साइकिल मंगाई गईं हैं। सुबह दस बजे यात्रा में शामिल 51 बाइकर्स काशी के ललिता घाट पहुंचेंगे, डमरू दल और शंखध्वनि के बीच सेवा यात्री गंगा जल भरेंगे और काशी विश्वनाथ मंदिर में जलाभिषेक करेंगे। मंदिर में पूजा अर्चना होगी। दोपहर बारह बजे रुद्राक्ष कन्वेशन सेंटर में सीएम योगी आदित्यनाथ और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सेवा संकल्प बाइक यात्रा को हरी झंडी दिखायेंगे।

UPI चार्ज को लेकर कांग्रेस-BJP आमने-सामने, नितिन नवीन ने राहुल गांधी के बयान पर किया तीखा प्रहार

जूम न्यूज़

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के लाए गए UPI ट्रांजैक्शन चार्ज पर राजनीति तेज हो गई है। इस मामले में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सरकार को घेरने का काम किया है। उनकी प्रतिक्रिया पर अब भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पलटवार किया है।

उनका कहना है कि विपक्ष के पास ऐसे मुद्दों पर चर्चा करने के लिए सकारात्मक विचार समाप्त हो गए हैं। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट किया था। इस पर नितिन नवीन ने कहा, 'विपक्ष की बेचैनी देश के लगातार विकास और प्रगति को देखकर उपज रही है। उन्हें BRICS शिखर सम्मेलन और AI समिट में भी कमी नजर आती है।' उन्होंने आगे बताया, 'आज देश में चल रही विकास योजनाओं को देखिए, बुनियादी ढांचे में 7 लाख करोड़ रुपये का निवेश हो रहा है। वे इस बात को स्वीकार करने में विफल रहे हैं कि आयुष्मान भारत योजना के दायरे में लाखों-करोड़ों लोग आए हैं या प्रधानमंत्री आवास योजना से कितने लोगों का फायदा मिला है।' न्यूज एजेंसी PTI की रिपोर्ट में बताया गया है कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष महाराष्ट्र के पुणे के दौरे पर हैं। 'आज गणेश पूजा के मौके पर मुझे महाराष्ट्र आने का सौभाग्य मिला। मुंबई के बाद मैंने पुणे और कई ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों का भी दौरा किया।'

महुआ मोइत्रा पर अंडे से हुआ हमला, TMC सांसद ने एक्स पर वीडियो शेयर कर बताई पूरी घटना

जूम न्यूज़

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस पार्टी की मुखिया ममता बनर्जी के गुट की सांसद महुआ मोइत्रा ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो में उन्होंने दावा दावा किया है कि जब वह अपने चुनाव क्षेत्र कृष्णानगर गईं, तो उनके ऊपर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के समर्थकों ने उन पर अंडे फेंके। वीडियो पोस्ट में महुआ मोइत्रा ने लिखा, 'जस्टिस दीपांकर दत्ता, माई लॉर्ड आज मैं आधिकारिक रूप से आजाद भारत में एक सांसद और स्वतंत्रता सेनानी, दोनों हूं! बीजेपी के पदाधिकारियों (आम जनता नहीं) ने मेरी मीटिंग को घेर लिया और जब मैं वहां से निकल रही थी, तब मुझ पर अंडे फेंके। माई लॉर्ड, हमारी संवैधानिक सुरक्षा को बरकरार रखने के लिए आपका धन्यवाद।' वीडियो में तृणमूल कांग्रेस (TMC) की सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा कि देखिए, पुलिस के सामने ये क्या हो रहा है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट का आह्वान करते हुए कहा ये पुलिस वाले हैं और इनके सामने ये देखिए क्या हो रहा है। इस दौरान जब उनकी कार का ड्राइवर विंडो के शीशे को ऊपर करता है, तो वे उसे शीशे को नीचे करने के लिए उसे डांटते हुए भी सुनी जा सकती हैं। इस घटनाक्रम के दौरान महुआ लगातार अपने फोन से वीडियो रिकॉर्ड करती रही। उनपर लोगों ने कई बार अंडे फेंकर हमला किया। इस बीच एक शख्स महुआ के कार के बगल में दौड़ने लगता है। तब महुआ जोर-जोर से 'जय तृणमूल कांग्रेस' और 'तृणमूल कांग्रेस जिंदाबाद' के नारे लगाती हैं। वहीं, एक अन्य वीडियो पोस्ट टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा, 'जैसा कि आप देख सकते हैं कि सुप्रीम कोर्ट ने मुझे कहा कि जाइए और जाकर कुछ अंडों का निशाना बनिए। स्वतंत्रता सेनानी गोलियों का निशाना बने थे।

राजस्थान सरकार का हरित भविष्य की ओर मजबूत कदम, पौधारोपण अभियान ने रचा नया कीर्तिमान

जूम न्यूज़

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सभी विभागों एवं आमजन को प्रदेश में हरियालो राजस्थान—वृक्षारोपण महाभियान के तहत पौधारोपण में सराहनीय कार्य करने के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

राज्य में हरियालो राजस्थान—वृक्षारोपण महाभियान के तहत पौधारोपण का सिलसिला लगातार जारी है। अभियान को आमजन, विद्यार्थियों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं विभिन्न विभागों का व्यापक सहयोग मिल रहा है।

विभागीय पोर्टल पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार अभियान के अंतर्गत इस वित्तीय वर्ष में अब तक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए प्रदेश में 10 करोड़ से अधिक पौधारोपण किया गया है। वर्तमान वर्ष में अब तक 10 करोड़ से अधिक पौधों लगाकर प्रदेश में हरियालो राजस्थान अभियान ने कीर्तिमान स्थापित किया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का किसानों को बड़ा तोहफा

जूम न्यूज़

जयपुर। भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय द्वारा संचालित 'अटल भूजल योजना' का क्रियान्वयन राज्य के 17 जिलों में 01 अप्रैल 2020 से किया जा रहा था। योजनान्तर्गत फार्म पौंड, सिंचाई पाइपलाइन, डिग्गी, कृषि यंत्र एवं फसल बदलाव मिनिकिट, फव्वारा, मिनी स्प्रिंकलर, ड्रिप आदि बनाये गये थे। भारत सरकार द्वारा 15 अक्टूबर 2025 के बाद योजना का क्रियान्वयन नही होने के कारण राज्य के किसानों की 158 करोड़ रुपये की सब्सिडी राशि का भुगतान शेष रह गया था जिसमें से कृषि विभाग की 90.91 करोड़ रुपये तथा उद्यानिकी विभाग 66.16 करोड़ रुपये की राशि शेष रह गयी। वित्त विभाग द्वारा अटल भूजल योजना अंतर्गत लंबित देनदारियों को 'राज्य आपदा न्यूनीकरण निधि (SDMF)' से भुगतान किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है। उद्यानिकी विभाग की देनदारियों हेतु भी अलग से शीघ्र कार्यवाही की जा रही है।

देवधाम जोधपुरिया लक्खी मेले में करंट से जयपुर के युवक की मौत, 3 महिलाएं घायल

जूम न्यूज़

वनस्थली (टोंक)। देवधाम जोधपुरिया में चल रहे लक्खी मेले के दौरान बुधवार रात बड़ा हादसा हो गया। मंदिर के मुख्य द्वार के पास लगी स्टील की रेलिंग में अचानक करंट दौड़ गया। करंट की चपेट में आने से एक 20 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि तीन महिलाएं घायल हो गईं। हादसे के बाद मेले में अफरा-तफरी का माहौल हो गया। घायलों को उपचार के लिए निवाई के उप जिला अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे में घायल महिलाओं में मंजू देवी (33) पत्नी पुरण गुर्जर, निवासी ढाणी नारायणपुर डूंगरी, जिला कोटपूतली और बीना देवी (34) पत्नी बद्री प्रसाद गुर्जर, निवासी अजपुरा, थाना नारायणपुर, जिला कोटपूतली शामिल हैं। दोनों का निवाई के उप जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। अस्पताल पहुंची महिलाओं से पुलिस और प्रशासन की ओर से हादसे की जानकारी ली जा रही है। हादसे में मनीष गुर्जर (17) निवासी मानकोट, थाना थानागाजी भी करंट की चपेट में आकर घायल हो गई। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे जयपुर रेफर कर दिया। हादसे में मृत युवक की पहचान पीयूष पुत्र भंवर सिंह गुर्जर (20) निवासी तोप खाना, इंद्रा बाजार, जयपुर के रूप में हुई है। हादसे की सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस उप जिला अस्पताल पहुंची। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवाया है। पुलिस की ओर से मृतक के परिजनों से संपर्क करने का प्रयास किया जा रहा है। देवधाम जोधपुरिया में लक्खी मेले के चलते बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे हुए हैं। हादसे के बाद घायलों को अस्पताल पहुंचाने के दौरान भीड़ के कारण एंबुलेंस को रास्ता बनाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। हादसे के बाद मेले में मौजूद श्रद्धालुओं में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। पुलिस ने हादसे के संबंध में जानकारी जुटाना शुरू कर दिया है। रेलिंग में करंट कैसे आया और इसके पीछे क्या कारण रहा, इसकी जांच की जा रही है। हादसे के बाद प्रशासन ने मेले में विद्युत व्यवस्था से जुड़े पहलुओं की जांच शुरू कर दी है। रेलिंग में करंट आने के कारणों का पता लगाने के लिए बिजली की लाइन, कनेक्शन और आसपास लगाए गए विद्युत उपकरणों की जांच की जा रही है। यह भी देखा जा रहा है कि कहीं किसी विद्युत तार या उपकरण में तकनीकी खराबी के कारण करंट रेलिंग तक तो नहीं पहुंचा। मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की मौजूदगी को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठे हैं। ऐसी स्थिति में धातु की रेलिंग में विद्युत प्रवाह होना गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। प्रशासन की ओर से मेले के अन्य हिस्सों में लगी रेलिंग और विद्युत व्यवस्था की भी जांच की जा सकती है, ताकि दोबारा ऐसी घटना न हो। वहीं अस्पताल में भर्ती घायलों के स्वास्थ्य की जानकारी भी ली जा रही है।

झीरम घाटी हत्याकांड में 13 साल बाद आया अदालत का बड़ा फैसला, 10 माओवादियों को सुनाई मौत की सजा

जूम न्यूज़

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 13 साल पहले हुए दर्दनाक झीरम घाटी हत्याकांड मामले में अदालत ने बड़ा फैसला दिया है। NIA की विशेष कोर्ट ने बुधवार (16 सितंबर) को निर्णय सुनाते हुए 10 दोषी माओवादियों को मौत की सजा सुनाई है। कोर्ट ने 5 सितंबर, 2026 को इन सभी 10 आरोपियों को दोषी माना था और फैसला सुरक्षित रख लिया था। इसके बाद इन्हें बुधवार को यह सजा सुनाई गई है। माओवादियों के समूह ने 25 मई, 2013 को छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के दरभा क्षेत्र में स्थित झीरम घाटी में इस हमले को अंजाम दिया था। इस दौरान कांग्रेस की 'परिवर्तन यात्रा' का काफिला NH-221 से निकल रहा था। वह जैसे ही झीरम घाटी में पहुंचा, तो पहले से घात लगाए बैठे माओवादियों के समूह ने उस पर अटैक कर दिया। इस मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) ने शुरू की। एजेंसी के मुताबिक, हथियारबंद CPI माओवादी कैडरों ने काफिले पर हमला किया। इस दौरान पहले उन्होंने कांग्रेस के काफिले पर IED धमाका किया। इसके बाद उस पर अंधाधुंध गोलियां चलाईं और ग्रेनेड फेंके।

इस दौरान मौके पर 24 नागरिकों और पुलिसकर्मियों की मौत हुई थी, जबकि 35 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। इसके बाद घायलों में से तीन और लोगों की बाद में मृत्यु हो गई थी। इस हमले के बाद माओवादी कैडर मरने वालों और घायलों के पास से हथियार, गोलियां, वॉकी-टॉकी, मोबाइल फोन और अन्य चीजें भी अपने साथ ले गए थे। इस मामले में NIA ने अपनी चार्जशीट में कुल 39 आरोपियों के नाम शामिल किए थे। यह पहली बार 25 सितंबर, 2014 को दाखिल की गई थी, जिसमें 9 लोगों को आरोपी बनाया गया था। इसके बाद 28 सितंबर, 2015 को 30 आरोपियों के खिलाफ जांच शुरू की गई थी। इनमें से एक आरोपी की न्यायिक हिरासत के दौरान जान चली गई थी। इस मामले में एजेंसी ने 101 गवाहों के बयान दर्ज किए थे। फैसले के बाद अब मामले में कानूनी प्रक्रिया का अगला चरण शुरू होगा। आकाशवाणी के अनुसार, सभी 10 दोषियों को फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील करने के लिए 30 दिन का समय दिया गया है। ऐसे में विशेष अदालत के मृत्युदंड के आदेश के बाद भी मामला आगे न्यायिक समीक्षा के लिए जा सकता है।

दिशा सालियान मामले पर आदित्य ठाकरे ने तोड़ी चुप्पी, खुद पर लगे आरोपों पर क्या कहा?

जूम न्यूज़

नई दिल्ली। दिशा सालियान मौत मामले को लेकर महाराष्ट्र के सियासी गलियारों में सरगर्मी बढ़ गई है। इस बीच मामले में घिरे शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने बुधवार को बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मैं दिशा सालियान से कभी नहीं मिला और न ही उन्हें जानता था. आदित्य ठाकरे ने आरोप लगाया कि उनकी छवि को जान बूझकर खराब करने की कोशिश गी जा रही है और इसलिए उन्हें दिशा सालियान मामले से जोड़ा जा रहा है. उन्होंने एक्स पोस्ट में ये बात कही। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आदित्य ठाकरे ने एक पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, 'पिछले 6 सालों से कुछ लोग जान बूझकर बार बार मेरा नाम इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना से जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं जबकि इसका कोई सबूत या संबंध नहीं है।' उन्होंने कहा कि बिना किसी फैक्ट और सच्चाई के लगातार ये झूठा कैंपेन चलाया जा रहा है जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने ये भी कहा कि इस मामले में किया जा रहा मीडिया ट्रायल सच्चाई को नहीं बदल सकता। बता दें, इस मामले में मंगलवार को शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत का बयान सामने आया था। हाई कोर्ट के आदेश के बाद ये एफआईआर हुई।

संपादकीय

जयपुर-जोधपुर-कोटा निगम और सुकेत पालिका में पुनर्मतदान संपन्न

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

जयपुर, जोधपुर, कोटा नगर निगम और सुकेत नगर पालिका के 9 वार्डों के 10 बूथों पर बुधवार को पुनर्मतदान हो गया। इनके मतों की गिनती गुरुवार को होगी। इन निकायों के 9 वार्डों की मतगणना के बाद महापौर और अध्यक्ष पद के लिए निर्वाचन की अधिसूचना जारी की जाएगी। इन चारों निकायों के महापौर और अध्यक्ष पदों के लिए 25 सितंबर को मतदान हो सकता है और इसके अगले दिन 26 सितंबर को उप महापौर और उपाध्यक्ष के लिए निर्वाचन संभव है। राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से इन चारों निकायों के अध्यक्ष और उपाध्यक्षों के निर्वाचन की औपचारिक घोषणा मतगणना के बाद की जाएगी। इन चारों निकायों के 9 वार्डों के 10 मतदान केंद्रों पर ईवीएम की खराबी के कारण पुनर्मतदान कराया गया है, जिसके चलते इन वार्डों के परिणाम जारी नहीं हो पाए। इसी कारण इन निकायों के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया रोक दी गई थी। जयपुर नगर निगम के चार वार्डों के पांच बूथों पर पुनर्मतदान शांतिपूर्ण संपन्न हो गया। वार्ड 9 के बूथ 111 पर 73.50 प्रतिशत, वार्ड 18 के बूथ 225 पर 72.22 प्रतिशत, वार्ड 25 के बूथ 343 पर 81.71 प्रतिशत और वार्ड 34 के बूथ 477 पर 48.81 प्रतिशत तथा बूथ 484 पर 72.76 प्रतिशत मतदान हुआ। गुरुवार सुबह 8 बजे चारों वार्डों की मतगणना होगी। पुनर्मतदान के बाद अब इन वार्डों के लंबित परिणाम सामने आने का इंतजार है। मतगणना के दौरान निर्वाचन अधिकारियों की निगरानी में ईवीएम से मतों की गणना की जाएगी और परिणाम दर्ज किए जाएंगे। इसके बाद संबंधित निकायों में कुल सीटों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। जयपुर में पांच बूथों पर हुए मतदान में सबसे अधिक 81.71 प्रतिशत मतदान वार्ड 25 के बूथ संख्या 343 पर हुआ। वहीं वार्ड 34 के बूथ संख्या 477 पर 48.81 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। अन्य बूथों पर भी मतदाताओं ने पुनर्मतदान में भाग लिया। जोधपुर, कोटा और सुकेत के संबंधित बूथों पर भी पुनर्मतदान के बाद अब मतगणना की तैयारी पूरी की जा रही है।

रामदेवरा से लौट रहे 2 श्रद्धालुओं की मौत, 12 से अधिक घायल

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

श्रीगंगानगर। रामदेवरा में दर्शन कर घर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी पिकअप बुधवार सुबह सड़क हादसे का शिकार हो गई। समेजा कोठी थाना क्षेत्र में कालूवाला ढाबे के पास करीब छह बजे पिकअप की सामने से आ रहे ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई।

भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 12 से अधिक लोग घायल हो गए। इनमें 7 की हालत गंभीर बताई गई है।

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

पिकअप में फंसे और घायल लोगों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। कुछ ही देर में समेजा कोठी थाना पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई। पुलिस और ग्रामीणों की मदद से घायलों को सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया।

बाय में दशहरा मेले की तैयारियां शुरू, नई कार्यकारिणी गठित : 20 अक्टूबर से दो दिवसीय मेला

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

बाय। दक्षिण भारतीय शैली में आयोजित होने वाले बाय के प्रसिद्ध दशहरा मेले को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। श्री लक्ष्मीनाथ मंदिर परिसर में आयोजित आमसभा में बड़ी संख्या में नागरिकों की मौजूदगी में दशहरा मेला समिति की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। बैठक में आगामी 20 अक्टूबर से दो दिवसीय दशहरा मेला आयोजित करने का निर्णय लिया गया। आमसभा में सर्वसम्मति से पूर्व कार्यकारिणी को ही यथावत रखते हुए उसका कार्यकाल आगामी दो वर्षों के लिए तय किया गया। इस दौरान मेले को भव्य और व्यवस्थित तरीके से आयोजित करने को लेकर विभिन्न व्यवस्थाओं पर चर्चा हुई। नई कार्यकारिणी में प्रहलाद मिश्रा को अध्यक्ष, मालचंद सिक्का और मुरारीलाल शर्मा को उपाध्यक्ष, गजानंद मीणा को कोषाध्यक्ष, नवरंग सहाय भारतीय को मंत्री, सुभाष कुशलाका और योगेश शर्मा को उपमंत्री, उमेश दाधीच को संयुक्त मंत्री, अनिल टेलर को सह कोषाध्यक्ष, हनुमान प्रसाद जांगिड़ को विधि सलाहकार तथा बसंत पाराशर को कार्यालय मंत्री बनाया गया। वहीं आदित्य बागड़ी और दिनेश कुमावत को प्रचार मंत्री की जिम्मेदारी दी गई। विजय कुमार टॉक और नरेंद्र कुमावत को हिसाब पर्यवेक्षक तथा विनोद भारती, पिंटू भारतीय और विजेंद्र दायमा को मीडिया प्रभारी बनाया गया। समिति के संरक्षक मंडल में छगनलाल दाधीच, राधेश्याम व्यास, सोहनलाल उपाध्याय, मूलचंद टेलर, छगनलाल कुमावत, दुर्गा प्रसाद सोनी, सुरेश दाधीच, बजरंगलाल बोहरिका, राधेश्याम खुंटेटा, गौरव खंडेलवाल, मदनलाल खुंटेटा, प्रदीप खुंटेटा, प्रहलाद कानूनगो, बजरंगलाल आचार्य, नागरमल मिश्रा और अनिल वेद को शामिल किया गया। समिति के मंत्री नवरंग सहाय भारतीय ने बताया कि आगामी रविवार शाम जानकीनाथ मंदिर में समिति की अगली बैठक आयोजित की जाएगी। इसमें दशहरा मेले से संबंधित सभी व्यवस्थाओं, कार्यक्रमों और तैयारियों को लेकर चर्चा की जाएगी। आमसभा में मौजूद नागरिकों ने नई कार्यकारिणी का स्वागत करते हुए पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। साथ ही बाय के दशहरा मेले को इस बार भी भव्य, आकर्षक और व्यवस्थित तरीके से आयोजित करने की उम्मीद जताई।

जयपुर में 41.70 लाख की लूट का खुलासा, प्रेमी को कर्ज से उबारने के लिए रची साजिश

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। जगतपुरा अक्षय पात्र चौराहे के पास बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम बूथ से कैश लेकर निकले कर्मचारियों से 41.70 लाख रुपए की लूट के मामले का रामनगरिया थाना पुलिस ने 48 घंटे में खुलासा करने का दावा किया है। डीसीपी ईस्ट रंजीता शर्मा ने बताया कि मामले में नदबई के लालपुर निवासी 22 वर्षीय अंशु कुमारी जाटव को गिरफ्तार कर रामनगरिया क्षेत्र में किशनपुरा स्थित बजरंग दीप प्रथम में उसके किराए के कमरे से लूट की रकम में से 26.80 लाख रुपए बरामद किए है। आरोपी अंशु ने करौली के मासलपुर निवासी प्रेमी मस्तराम मीणा और उसके दो साथियों पुष्पेंद्र मीणा व सुमित जंगम के साथ मिलकर साजिश रची थी। अंशु के प्रेमी के कर्ज में डूबे होने की बात भी सामने आई है। पुलिस फरार आरोपियों को तलाश रही है। एसीबी दीपक खंण्डेलवाल ने बताया कि वारदात के लिए कई दिन से रैकी की जा रही थी। आरोपी अंशु को वारदात से एक दिन पहले भी एटीएम की स्थिति देखने भेजा गया था। उसने मशीन के चालू होने की तस्दीक की। इसके बाद 14 सितंबर की सुबह करीब साढ़े दस बजे वह दोबारा बैंक पहुंची। उस समय एटीएम से कैश निकालने के लिए तीन कर्मचारी पहुंचे। उसने तत्काल प्रेमी मस्तराम को सूचना दी। एक आरोपी कुछ दूर कार लेकर खड़ा हो गया, जबकि दो आरोपी बाइक से बैंक की ओर आ गए। उन्होंने हथियार दिखाकर कर्मचारियों से कैश से भरा बैग छीन लिया और वापस बाइक से कार सवार साथी के पास पहुंचे। बदमाशों ने पुलिस को चकमा देने के लिए कपड़े बदले और लूटी रकम में से 26.80 लाख रुपए एक सूटकेस में रखकर अंशु के कमरे पर पहुंचा दिए, जबकि शेष रकम साथ ले गए।

BJP की सुमनलता और कांग्रेस की कमलेश शर्मा आमने-सामने

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

अलवर। अलवर नगर निगम के मेयर पद के चुनाव के लिए बुधवार को तीन नामांकन दाखिल हुए। भाजपा ने वार्ड 7 की पार्षद सुमनलता अग्रवाल को प्रत्याशी बनाया है, जबकि कांग्रेस ने वार्ड 39 की पार्षद कमलेश शर्मा को मैदान में उतारा है। वहीं, वार्ड 36 से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव हार चुकीं रिंकल गर्ग ने निर्दलीय नामांकन दाखिल कर मेयर पद के लिए दावेदारी पेश की है। भाजपा प्रत्याशी सुमनलता अग्रवाल पूर्व नगर परिषद सभापति अजय अग्रवाल की पत्नी हैं। मेयर पद के लिए नामांकन दाखिल करने से पहले उन्होंने पार्षद पद की शपथ ली। नामांकन के दौरान वन राज्य मंत्री संजय शर्मा, जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता, चुनाव प्रभारी रामचरण बोहरा सहित पार्टी के नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कांग्रेस प्रत्याशी कमलेश शर्मा वार्ड 39 से निर्वाचित पार्षद हैं। वह पूर्व जिला अध्यक्ष योगेश मिश्रा की पत्नी हैं। उन्होंने पर्चा जमा कर मेयर पद के चुनाव में अपनी दावेदारी पेश की है।

सरदारशहर में सभापति की कुर्सी के लिए पांच नामांकन, 21 सितंबर को होगा फैसला

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

सरदारशहर। नगर परिषद सभापति पद के चुनाव को लेकर सरदारशहर में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। सभापति पद के लिए पांच नामांकन दाखिल होने की जानकारी सामने आई है। इनमें भाजपा से अनीता वर्मा पत्नी राकेश टाक, कांग्रेस से मोनिका सैनी पत्नी भीमसेन सैनी और तीन निर्दलीय प्रत्याशी सरला सिद्ध पत्नी हंसराज सिद्ध, डिंपल पत्नी कानसिंह तथा आइना पौत्री बाले खां शामिल हैं। नामांकन पत्रों की जांच के बाद प्रत्याशियों की अंतिम स्थिति स्पष्ट होगी। सभापति पद के लिए मतदान 21 सितंबर को होना निर्धारित है। कांग्रेस प्रत्याशी मोनिका सैनी अपने पति एवं कांग्रेस उपप्रधान केसरी चंद शर्मा के साथ दोपहर करीब 12:15 बजे नगर परिषद पहुंचीं और एसडीएम के समक्ष नामांकन दाखिल किया। इसके बाद भाजपा प्रत्याशी अनीता वर्मा करीब 1:30 बजे नामांकन दाखिल करने पहुंचीं। नामांकन के दौरान नगर परिषद के बाहर समर्थकों की भीड़ जुटी और नारेबाजी हुई। सोशल मीडिया पर अनीता वर्मा के समर्थन में पोस्ट और अपीलें भी सामने आने की चर्चा है, हालांकि इन्हें किसी आधिकारिक निर्णय के रूप में नहीं देखा जा सकता। 55 सदस्यीय नगर परिषद के चुनाव परिणाम में भाजपा के 25, कांग्रेस के 22 और निर्दलीय 8 पार्षद निर्वाचित हुए हैं। बहुमत का आंकड़ा 28 है। ऐसे में भाजपा को तीन और कांग्रेस को छह अतिरिक्त पार्षदों के समर्थन की जरूरत होगी।

इस गणित में आठ निर्दलीय पार्षदों की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। इधर, राजनीतिक हलकों में निर्दलीय प्रत्याशी सरला सिद्ध के पति हंसराज सिद्ध के साथ सात पार्षदों के होने और उनके भाजपा की बाड़ेबंदी से अलग होने की चर्चा है। कुछ सूत्र उन्हें राजेंद्र राठौड़ समर्थक बता रहे हैं और पार्टी से अलग रुख अपनाने की बात कही जा रही है। हालांकि सात पार्षदों के समर्थन या किसी पार्टी से बगावत के इन दावों की स्वतंत्र आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। नामांकन के दौरान नगर परिषद परिसर में भीड़ को देखते हुए डीएसपी कुलदीप वालिया और थानाधिकारी धीरेंद्र शेखावत के नेतृत्व में पुलिस व्यवस्था संभाली गई। अधिकारियों की मौजूदगी में नामांकन प्रक्रिया पूरी कराई गई और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी गई। नामांकन पत्रों की जांच 17 सितंबर को होगी। इसके बाद वैध प्रत्याशियों की अंतिम तस्वीर सामने आएगी। 21 सितंबर को होने वाले सभापति चुनाव में 25 भाजपा, 22 कांग्रेस और 8 निर्दलीय पार्षदों के बीच समर्थन का गणित किस दिशा में जाता है, इसका फैसला मतदान के बाद होगा। नामांकन पत्रों की जांच के बाद चुनावी मैदान में बचे प्रत्याशियों की स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। इसके साथ ही भाजपा और कांग्रेस अपने-अपने पार्षदों के समर्थन को लेकर रणनीति बनाने में जुटेंगी। दोनों दलों के सामने अपने खेमे को एकजुट रखने के साथ निर्दलीय पार्षदों से संपर्क साधने की चुनौती रहेगी।

मिर्जापुर में महाराणा प्रताप की वीरगाथा वाले गीत के फिल्मांकन पर आपत्ति

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

बीकानेर। बीकानेर राजघराने की प्रिंसेस राज्यश्री कुमारी ने मिर्जापुर फिल्म में महाराणा प्रताप की वीरगाथा वाले 'शूरवीर' गीत को गैंगवार के दृश्य के साथ दिखाए जाने पर आपत्ति जताई है।

उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप मातृभूमि, स्वाभिमान और स्वतंत्रता के प्रतीक महान योद्धा थे। उनकी वीरता, हल्दीघाटी युद्ध और चेतक की गाथा से जुड़े गीत को गैंगस्टर के हिंसक दृश्यों के साथ प्रस्तुत करना उनकी गौरवपूर्ण विरासत के अनुरूप नहीं है और इससे लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। राज्यश्री कुमारी ने केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड से संबंधित दृश्य को तत्काल हटाने तथा मामले की समीक्षा करने की मांग की है। उनका कहना है कि फिल्मों में ऐतिहासिक एवं भावनात्मक विषयों के चित्रण में अधिक संवेदनशीलता बरती जानी चाहिए। यह आपत्ति उनके निजी सचिव गोविन्द सिंह द्वारा जारी की गई है।

चूरू जिले की 11 नगरीय निकायों में अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

चूरू। नगर निकाय आम चुनाव-2026 के तहत चूरू जिले की नगर परिषद सुजानगढ़, चूरू और सरदारशहर तथा नौ नगरपालिकाओं में अध्यक्ष पद के निर्वाचन के लिए बुधवार को नाम निर्देशन-पत्र दाखिल किए गए। जिला प्रशासन के अनुसार संबंधित निकायों में भाजपा, कांग्रेस और निर्दलीय प्रत्याशियों ने नामांकन प्रस्तुत किए। सुजानगढ़ नगर परिषद में कांग्रेस के अमित मारोठिया और भाजपा के मदनलाल ने नामांकन दाखिल किया। चूरू नगर परिषद में भाजपा के विनय कुमार, कांग्रेस के संजय और निर्दलीय साजिद खान सहित प्रत्याशियों ने कुल छह नाम निर्देशन-पत्र प्रस्तुत किए। सरदारशहर नगर परिषद में कांग्रेस की मोनिका सैनी, भाजपा की अनिता वर्मा तथा निर्दलीय सरला, डिंपल राजपूत और आईना खान चायल सहित पांच अभ्यर्थियों ने नामांकन दाखिल किए। राजगढ़ नगरपालिका में भाजपा व निर्दलीय से राकेश पूनिया और कांग्रेस से रूखसाना बानो सहित कुल तीन नामांकन दाखिल हुए। रतननगर में कांग्रेस की चंदा देवी और निर्दलीय इंदू ने तीन नामांकन प्रस्तुत किए। छापर में कांग्रेस की सीमा कीलका और भाजपा की प्रेम सुखी ने दो, जबकि तारानगर में भाजपा के हरिप्रसाद और कांग्रेस की वंदना गहलोत ने दो नामांकन दाखिल किए। साहवा नगरपालिका में कांग्रेस की विमला, भाजपा के रोहिताश कुमार और निर्दलीय विकास कुमार सहित तीन अभ्यर्थियों ने नामांकन प्रस्तुत किया। रतनगढ़ में कांग्रेस के संतोष कुमार इंदौरिया, भाजपा के सुनील कुमार और कांग्रेस के अजय कुमार सहित तीन अभ्यर्थियों ने तीन नामांकन दाखिल किए। राजलदेसर में निर्दलीय जयचंद, मोहम्मद जब्बार व पवन कुमार सहित कांग्रेस के लाभचंद और भाजपा के गोपाल समेत पांच अभ्यर्थियों ने कुल छह नाम निर्देशन-पत्र प्रस्तुत किए। बीदासर में कांग्रेस की सोना देवी, भाजपा की सुमन व सरिता सिंघी, निर्दलीय सरिता सिंघी तथा अन्य अभ्यर्थियों ने कुल छह नामांकन दाखिल किए। उप जिला निर्वाचन अधिकारी अर्पिता सोनी ने बताया कि नाम निर्देशन-पत्रों की संवीक्षा 17 सितंबर को होगी। 18 सितंबर को दोपहर 3 बजे तक अभ्यर्थिता वापस ली जा सकेगी और इसके तुरंत बाद निर्वाचन प्रतीकों का आवंटन किया जाएगा। अध्यक्ष पद के लिए मतदान 21 सितंबर को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक होगा तथा मतदान समाप्त होते ही मतगणना की जाएगी। उपाध्यक्ष पद के लिए निर्वाचन प्रक्रिया 22 सितंबर को होगी। सुबह 10 बजे बैठक शुरू होगी, 11 बजे तक नामांकन दाखिल किए जाएंगे और 11:30 बजे से संवीक्षा होगी।

पाली मेयर चुनाव में सुमित्रा या नमिता? निर्दलीयों के पाले में क्यों है सत्ता की चाबी

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

पाली। पाली नगर निगम महापौर पद के चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि बुधवार को पूरी हो गई। अंतिम दिन छह प्रत्याशियों ने कुल 10 नामांकन पत्र दाखिल किए। वहीं, नामांकन प्रक्रिया के दौरान आठ प्रत्याशियों को कुल 13 नामांकन पत्र वितरित किए गए थे। कांग्रेस ने दोपहर 2:27 बजे सुमित्रा जैन और बीजेपी ने 2:30 बजे नमिता बुबकिया के नाम का सिंबल जमा कराया। नामांकन को लेकर सुबह 10 बजे से ही नगर निगम कार्यालय में प्रत्याशियों और उनके समर्थकों की आवाजाही शुरू हो गई थी। रिटर्निंग अधिकारी नगर निगम शैलेंद्र सिंह ने बताया कि महापौर पद के निर्वाचन के लिए आठ प्रत्याशियों को 13 नामांकन पत्र वितरित किए गए थे। इनमें से छह प्रत्याशियों ने 10 नामांकन पत्र जमा करवाए हैं। राजबाला हिंगड़ ने कांग्रेस और निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में दो नामांकन पत्र दाखिल किए। सुमित्रा जैन ने भी कांग्रेस और निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में दो नामांकन पत्र जमा करवाए। पुष्पा ने दो निर्दलीय नामांकन दाखिल किए। नमिता बुबकिया ने बीजेपी और निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में एक-एक नामांकन पत्र जमा करवाया। वहीं, कुसुम सोनी और रशीदा बानो ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में एक-एक नामांकन दाखिल किया। नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद कांग्रेस की ओर से सुमित्रा जैन के नाम का सिंबल दोपहर 2:27 बजे जमा कराया गया। विधायक भीमराज भाटी के भाई लक्ष्मीनारायण भाटी के साथ पहुंचे प्रतिनिधि ने कांग्रेस का सिंबल जमा कराया। वहीं, बीजेपी की ओर से नमिता बुबकिया का सिंबल दोपहर 2:30 बजे जमा कराया गया। इस दौरान बीजेपी जिलाध्यक्ष सुनील भंडारी, पूर्व सांसद पुष्प जैन, पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

बीकानेर में महापौर की कुर्सी पर त्रिकोणीय मुकाबला, 42 के बहुमत के बावजूद कांग्रेस के सामने एकजुटता की चुनौती

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

बीकानेर। नगर निगम महापौर चुनाव में कांग्रेस के स्पष्ट बहुमत के बावजूद मुकाबला दिलचस्प हो गया है। कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी अनिल कल्ला के सामने पार्टी के ही नवनिर्वाचित पार्षद नवरतन डागा ने नामांकन दाखिल कर दिया है। वहीं भाजपा ने डॉ. सुरेंद्र सिंह शेखावत को प्रत्याशी बनाया है। ऐसे में फिलहाल मुकाबला त्रिकोणीय नजर आ रहा है। 80 सदस्यीय नगर निगम में कांग्रेस के 42, भाजपा के 27, निर्दलीय 10 और आरएलपी का एक पार्षद है। संख्या के लिहाज से कांग्रेस बहुमत में है, लेकिन नवरतन डागा की दावेदारी ने पार्टी के भीतर एकजुटता को लेकर चुनौती खड़ी कर दी है। वार्ड नंबर 73 से निर्वाचित अनिल कल्ला पूर्व मंत्री डॉ. बीडी कल्ला के भतीजे हैं। कांग्रेस ने उन्हें महापौर पद के लिए अधिकृत प्रत्याशी बनाया है। वहीं वार्ड नंबर 50 से निर्वाचित नवरतन डागा के नामांकन को पार्टी के भीतर असंतोष और महापौर पद की दावेदारी से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि डागा के रुख और उन्हें मिलने वाले संभावित समर्थन की तस्वीर अभी स्पष्ट नहीं है। भाजपा प्रत्याशी डॉ. सुरेंद्र सिंह शेखावत के सामने 27 पार्षदों के साथ कांग्रेस के संभावित विभाजन और निर्दलीय पार्षदों के समर्थन का समीकरण बनाने की चुनौती है। कांग्रेस के मतों में विभाजन की स्थिति में चुनावी गणित बदल सकता है, हालांकि अभी किसी संभावित परिणाम को लेकर निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी। महापौर चुनाव के लिए 17 सितंबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी, 18 सितंबर को नाम वापसी और 21 सितंबर को मतदान होगा। नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा कि मुकाबला त्रिकोणीय रहता है या कांग्रेस के भीतर किसी तरह का समझौता होता है। फिलहाल चुनाव में कांग्रेस के 42 पार्षदों की एकजुटता और निर्दलीय पार्षदों के रुख पर सभी की नजरें टिकी हैं। नामांकन दाखिल होने के बाद कांग्रेस और भाजपा दोनों खेमों में पार्षदों से संपर्क का सिलसिला तेज होने की संभावना है। कांग्रेस के सामने अपने पार्षदों को एकजुट रखने की चुनौती है, जबकि भाजपा की नजर उन पार्षदों पर रहेगी जो अंतिम समय में चुनावी समीकरण को प्रभावित कर सकते हैं। निर्दलीय पार्षदों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो गई है। 10 निर्दलीय पार्षदों और आरएलपी के एक पार्षद का रुख मतदान के दौरान चर्चा का विषय रहेगा। हालांकि किसी भी पार्षद ने अभी अपने समर्थन को लेकर स्पष्ट घोषणा नहीं की है। ऐसे में नाम वापसी तक राजनीतिक गतिविधियों में बदलाव संभव है।

राजस्थान/ प्रादेशिक

रामदेवरा मेला: पदयात्रियों का आगमन तेज, गूंज रहे जयकारे

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

रामदेवरा। बाबा रामदेव के भादवा मेले में श्रद्धालुओं का आगमन लगातार तेज हो गया है। दूर-दराज के क्षेत्रों से पदयात्री रामदेवरा पहुंच रहे हैं। बीकानेर, बाप वाया सिहड़ा होते हुए रामदेवरा आने वाली मुख्य सड़क पर इन दिनों पदयात्रियों के जत्थे नजर आ रहे हैं। श्रद्धालु सिर पर बाबा रामदेव की विशाल ध्वजा लेकर चल रहे हैं, तो कई कपड़े से बने विशाल घोड़े लेकर बाबा की समाधि के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। हजारों की संख्या में पदयात्रियों के आवागमन से पूरा मार्ग भक्तिमय हो गया है। पदयात्री समूहों में बाबा रामदेव के भजन गाते और जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ रहे हैं। जैसे-जैसे रामदेवरा की दूरी घट रही है, श्रद्धालुओं का उत्साह भी बढ़ता दिखाई दे रहा है। सिहड़ा लिंक रोड पर कई श्रद्धालु कठिन कनक दंडवत यात्रा करते हुए रामदेवरा की ओर बढ़ रहे हैं। वे सड़क पर दंडवत प्रणाम करते हुए कुछ दूरी तय करते हैं और फिर उठकर दोबारा यही प्रक्रिया दोहराते हैं। कठिन यात्रा के बावजूद श्रद्धालुओं के चेहरों पर आस्था व उत्साह साफ झलक रहा है।

इंतज़ार ख़त्म, एसआइ बनने की रेस में अब 4019 चेहरे, साक्षात्कार के लिए रास्ता साफ

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) ने उप निरीक्षक/ प्लाटून कमांडर संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा-2021 के तहत साक्षात्कार के लिए सफल अभ्यर्थियों की सूची 15 सितंबर को जारी कर दी। आयोग ने कुल 4019 अभ्यर्थियों को अस्थाई रूप से साक्षात्कार के लिए सफल घोषित किया है। आयोग सचिव ने बताया कि उप निरीक्षक/प्लाटून कमांडर संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा-2021 की लिखित परीक्षा का परिणाम 19 जून 2026 को जारी किया गया था। इसके बाद महानिदेशक पुलिस, राजस्थान, जयपुर के कार्यालय की ओर से 3 से 13 अगस्त 2026 तक अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा आयोजित की गई। शारीरिक दक्षता परीक्षा के परिणाम के आधार पर संबंधित सेवा नियमों के अनुसार अनुसूचित क्षेत्र के 62 और गैर-अनुसूचित क्षेत्र के 3957 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए अस्थाई रूप से सफल घोषित किया गया है। परीक्षा से संबंधित विस्तृत विवरण आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। इसके साथ सभी आवश्यक शैक्षणिक एवं प्रशैक्षणिक प्रमाण-पत्र संलग्न कर आवेदन-पत्र 25 सितंबर तक आयोग को आवश्यक रूप से भेजना होगा।

पारस सिंघवी का उदयपुर मेयर बनना तय! नामांकन भरते ही रो पड़े; कांग्रेस की पूनम कुंवर से मुकाबला

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

उदयपुर। उदयपुर नगर निगम के महापौर पद को लेकर भाजपा में चल रही खींचतान के बीच आखिरकार पारस सिंघवी के नाम पर सहमति बन गई। पार्टी ने सिंघवी को महापौर पद का प्रत्याशी बनाया है। बुधवार दोपहर सिंघवी ने समर्थकों और पार्टी नेताओं के साथ नगर निगम पहुंचकर नामांकन दाखिल किया। नामांकन के दौरान वे भावुक नजर आए। सिंघवी के साथ भाजपा शहर जिलाध्यक्ष गजपाल सिंह राठौड़, राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, पूर्व महापौर जीएस टांक, रजनी डांगी, चंद्रसिंह कोठारी और पूर्व सभापति युधिष्ठिर कुमावत सहित कई नेता मौजूद रहे। पार्षद पंकज बोराणा सिंघवी के प्रस्तावक बने। महापौर पद के लिए भाजपा में दिनेश भट्ट और प्रमोद सामर के नाम प्रमुखता से चल रहे थे। दोनों नामों को लेकर पार्टी के भीतर सहमति नहीं बन पाई। इसके बाद पारस सिंघवी के नाम पर अंतिम मुहर लगाई गई। पार्टी में चल रही खींचतान के बीच सिंघवी के नाम को लेकर संगठन स्तर पर भी चर्चा हुई। उनके नाम पर सहमति बनने के बाद बुधवार को उन्होंने नामांकन दाखिल किया। महापौर पद के साथ उपमहापौर के नाम को लेकर भी भाजपा में चर्चा जारी है। ब्राह्मण चेहरे के तौर पर दिनेश भट्ट को उपमहापौर बनाने का प्रस्ताव दिए जाने की चर्चा है। यदि भट्ट सहमत नहीं होते हैं तो अशोक नागदा या जतिन श्रीमाली के नाम पर विचार किया जा सकता है। सिंघवी के नाम पर सहमति बनाने में भाजपा शहर जिलाध्यक्ष गजपाल सिंह राठौड़ की भूमिका भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। उदयपुर नगर निगम के सात बोर्ड के इतिहास में यह पहली बार बताया जा रहा है कि नामांकन की अंतिम समय-सीमा से महज दो घंटे पहले भाजपा ने महापौर प्रत्याशी के नाम को अंतिम रूप दिया। इस बार आधा दर्जन से अधिक दिग्गज चेहरों के नाम चर्चा में आने के कारण पार्टी के भीतर खींचतान बढ़ गई थी। दिनेश भट्ट और प्रमोद सामर के नाम को लेकर भाजपा के अलग-अलग गुटों में मतभेद सामने आए। कटारिया गुट और शहर विधायक ताराचंद जैन दिनेश भट्ट के समर्थन में थे, जबकि पार्टी के कुछ पदाधिकारी प्रमोद सामर के नाम पर सहमति बनाने में जुटे थे। उधर, कांग्रेस ने महापौर पद के लिए पूनम कुंवर को प्रत्याशी बनाया है। पूनम कुंवर कांग्रेस शहर जिलाध्यक्ष फतेहसिंह राठौड़ की पत्नी हैं।

राजाखेड़ा में कांग्रेस की अंजली बघेल और भाजपा की पूनम में मुकाबला

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

राजाखेड़ा। राजाखेड़ा नगर पालिका अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर राजाखेड़ा में बुधवार को भाजपा व कांग्रेस के नामांकन के बाद सियासी गतिविधियां तेज हो गई। अध्यक्ष पद के लिए भाजपा की ओर से वार्ड संख्या 28 की पार्षद पूनम सोनी पत्नी विष्णु सोनी तथा कांग्रेस की ओर से वार्ड संख्या 6 की पार्षद अंजली बघेल पत्नी ज्ञान सिंह ने नामांकन दाखिल किया है। दोनों प्रत्याशियों के नामांकन के साथ ही अध्यक्ष पद का सीधा चुनावी मुकाबला स्पष्ट हो गया है। हालांकि आंकड़े स्पष्ट तौर पर कांग्रेस के पक्ष में नजर आ रहे हैं। नगर पालिका के 35 वार्डों में निर्वाचित पार्षदों के दलगत आंकड़ों के अनुसार कांग्रेस के 23, भाजपा के 9, निर्दलीय 2 और बसपा का एक पार्षद है। भाजपा ने पूर्व पालिका अध्यक्ष रमेश चंद सोनी की पुत्र वधु पूनम सोनी को अध्यक्ष पद का प्रत्याशी बनाया है, जबकि कांग्रेस की ओर से अंजली बघेल मैदान में हैं।

सीकर में 1 अक्टूबर से अग्निवीर भर्ती रैली: 13 हजार युवा दिखाएंगे जज्बा

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

सीकर। जिला खेल स्टेडियम सीकर, सांवली रोड पर 1 से 23 अक्टूबर तक आयोजित होने वाली अग्निवीर सेना भर्ती रैली की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिला कलक्टर आशीष मोदी ने अधिकारियों को रैली से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि भर्ती रैली के दौरान अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। इसके लिए सभी संबंधित विभाग पहले से आवश्यक तैयारियां पूरी करें और संभावित समस्याओं का आकलन कर उनका समाधान सुनिश्चित करें। जिला कलक्टर ने भर्ती रैली के दौरान पेयजल, मोबाइल टॉयलेट, साफ-सफाई, बेरिकेडिंग और विद्युत आपूर्ति की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही चिकित्सा व्यवस्था, एम्बुलेंस, मेडिकल टीम, कंप्यूटर और इंटरनेट सहित अन्य जरूरी व्यवस्थाओं को भी समय पर पूरा करने को कहा गया।

अजमेर मेयर चुनाव : भाजपा से अनामिका और कांग्रेस से किरण ने भरा पर्चा, निर्दलीय किंग मेकर

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

अजमेर। अजमेर नगर निगम की मेयर सीट के लिए सियासी तस्वीर अब सामने आ गई है। भाजपा ने वार्ड 3 से पार्षद अनामिका शर्मा और कांग्रेस ने वार्ड 57 से पार्षद किरण गढ़वाल को अपना प्रत्याशी बनाया है। दोनों ने बुधवार को नगर निगम कार्यालय पहुंचकर नामांकन दाखिल किया। दोनों दलों के जिलाध्यक्षों ने रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष पार्टी का अधिकृत सिंबल भी प्रस्तुत किया। अब निगाहें 11 निर्दलीय पार्षदों पर टिक गई हैं, क्योंकि 80 सदस्यीय निगम में किसी भी दल के पास बहुमत नहीं है। अजमेर में इस बार कांग्रेस 37 सीटों के साथ सबसे बड़े दल के रूप में उभरी है। भाजपा को 32 वार्डों में जीत मिली, जबकि 11 निर्दलीय पार्षद चुनाव जीतकर निगम में पहुंचे हैं। मेयर का पद अनारक्षित महिला के लिए आरक्षित है। ऐसे में दोनों प्रमुख दलों ने महिला पार्षदों को मैदान में उतारा है। बहुमत के लिए 41 पार्षदों का समर्थन जरूरी होगा, इसलिए निर्दलीयों की भूमिका चुनाव में महत्वपूर्ण हो गई है। भाजपा ने पार्टी स्तर पर रायशुमारी के बाद अनामिका शर्मा के नाम पर सहमति बनाई। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, संभाग प्रभारी अरुण चतुर्वेदी और शहर भाजपा जिलाध्यक्ष रमेश सोनी समेत अन्य नेताओं से विचार-विमर्श के बाद उन्हें प्रत्याशी घोषित किया गया। अनामिका लघु उद्यम से जुड़ी हैं और उनकी शैक्षणिक योग्यता 10वीं तक है।

250 नए 'ईवी चार्जिंग स्टेशन' शुरू करेगी भजनलाल सरकार, जानें कहां-कहां मिलेगी सुविधा? राजस्थान रिन्यूएबल एनर्जी कॉर्पोरेशन की बड़ी योजना

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। राजस्थान में इलेक्ट्रिक वाहन (EV) चलाने वाले चालकों और लंबे सफर पर निकलने वाले यात्रियों के लिए एक राहत भरी खबर सामने आई है। राजस्थान रिन्यूएबल एनर्जी कॉर्पोरेशन लिमिटेड (RRECL) ने राज्य में ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए एक मेगा प्रोजेक्ट तैयार किया है। इस योजना के पहले चरण के तहत राजस्थान के 6 बड़े शहरों और प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों पर 250 नए ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य न केवल राजस्थान में इलेक्ट्रिक वाहनों के इस्तेमाल को बढ़ावा देना है, बल्कि चार्जिंग स्टेशन से होने वाली आय को राज्य सरकार के राजस्व मॉडल से जोड़ना भी है। निकाय चुनाव की आचार संहिता समाप्त होते ही इस महत्वाकांक्षी योजना को जमीन पर उतारने का काम तेजी से शुरू कर दिया जाएगा, जिससे आने वाले दिनों में वाहन चालकों को बैटरी खत्म होने की चिंता से पूरी तरह मुक्ति मिल जाएगी। गौरतलब है कि राजस्थान में तेजी से बढ़ रही इलेक्ट्रिक 2-व्हीलर, 3-व्हीलर और 4-व्हीलर गाड़ियों की संख्या को देखते हुए चार्जिंग प्वाइंट्स की किल्लत एक बड़ी चुनौती बनी हुई थी। विशेषकर हाईवे पर सफर करते समय चालकों को हमेशा बैटरी डिस्चार्ज होने का डर सताता रहता था। इसे ध्यान में रखते हुए रिन्यूएबल एनर्जी कॉर्पोरेशन ने निजी एजेंसियों के साथ मिलकर पीपीपी (PPP) मॉडल पर काम करने की रणनीति बनाई है। योजना के मुताबिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा रियायती दर पर सरकारी जमीन उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही, टेंडर प्रक्रिया में उन निजी कंपनियों या एजेंसियों को प्राथमिकता दी जाएगी जो चार्जिंग से होने वाले कुल राजस्व में राज्य सरकार को सबसे ज्यादा हिस्सेदारी की पेशकश करेंगी। रिन्यूएबल एनर्जी कॉर्पोरेशन ने पहले चरण में उन मार्गों और शहरों को प्राथमिकता दी है जहां व्यावसायिक और निजी वाहनों की आवाजाही सबसे ज्यादा रहती है। जयपुर-आगरा हाईवेः पर्यटन और व्यावसायिक गतिविधियों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण इस रूट पर प्रमुख जगहों पर चार्जिंग प्वाइंट्स बनाए जाएंगे।

जयपुर-कोटा रूटः हाड़ौती अंचल को राजधानी से जोड़ने वाले इस व्यस्त मार्ग पर ईवी चालकों को हर कुछ किलोमीटर पर चार्जिंग की सुविधा मिलेगी।

जयपुर-बीकानेर हाईवेः शेखावाटी और पश्चिमी राजस्थान को जोड़ने वाले इस लंबे रूट पर फास्ट चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे।

राजस्थान में नशे के कारोबार पर कसेगा शिकंजा, एक साल में 730 करोड़ रुपए की ड्रग जब्त

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

सीकर। राजस्थान में नशे के कारोबार पर शिकंजा कसने के लिए अब तीन साल की नई रणनीति तैयार होगी। अफीम, डोडा-पोस्त और एमडी की जब्ती में देश में पहले स्थान पर पहुंचे प्रदेश में सरकार नारकोटिक्स कंट्रोल विजन 2026-29 तैयार कर रही है। नारकोटिक्स विभाग का पूरा ध्यान मादक पदार्थ पकड़ने और तस्करों को गिरफ्तार करने तक नहीं रहेगा, विभाग की ओर से सिंथेटिक ड्रग के निर्माण, उसकी सप्लाई चेन, ड्रग की मांग कम करने और नशे की चपेट में आए लोगों को इलाज व पुनर्वास से जोड़ने पर भी रहेगा। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने 93 ड्रग किंगपिन (अवैध नशीले पदार्थों की तस्करी के बड़े नेटवर्क और संगठनों का मालिक या संचालक) गिरफ्तार किए हैं और एमडी ड्रग बनाने वाली 34 फैक्ट्रियों का भंडाफोड़ किया है।

पंचायती राज चुनाव में भी उठेगा UGC Rollback का मुद्दा, जानें शहरी निकाय में क्या रहा असर?

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। राजस्थान में हाल ही में संपन्न हुए नगर निकाय चुनाव 2026 के नतीजों ने प्रदेश की सियासत में एक बड़ी हलचल मचा दी है। चुनाव नतीजों को देखकर एक पक्ष की ओर से दावा किया जा रहा है कि आमतौर पर स्थानीय नालियों, सड़कों, स्ट्रीट लाइट और पानी जैसे बुनियादी मुद्दों पर लड़े जाने वाले इन चुनावों में इस बार राष्ट्रीय स्तर का 'यूजीसी रोलबैक' (UGC Rollback) मुद्दा पूरी तरह प्रभावी रहा है। दरअसल, जारी चुनाव परिणामों में जहां लगभग 1,09,523 वोट सीधे नोटा (NOTA) को मिले, वहीं 31 प्रतिशत वोट शेयर जीतकर निर्दलीयों ने दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों बीजेपी और कांग्रेस का गणित पूरी तरह बिगाड़ दिया है। इस सफलता से उत्साहित राष्ट्रीय आमजन मोर्चा और श्री राजपूत करणी सेना ने साफ चेतावनी दी है कि यदि केंद्र सरकार ने यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन को लेकर अपना रुख साफ नहीं किया, तो आगामी पंचायती राज चुनाव 2026 में भी यह विरोध इसी तीव्रता से जारी रहेगा। राष्ट्रीय आमजन मोर्चा के राष्ट्रीय संयोजक विजय कौशिक, श्री राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराना, सतीश तिवारी, वीरेंद्र सिंह राठौड़ और राम सिंह शेखावत समेत कई सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि जयपुर में एक मंच पर आए। नेताओं ने कहा कि निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को करीब 35 प्रतिशत, कांग्रेस को 34 प्रतिशत और निर्दलीयों को रिकॉर्ड 31 प्रतिशत वोट मिले हैं। इसके साथ ही 1.09 लाख से अधिक मतदाताओं का नोटा का बटन दबाना स्पष्ट रूप से पारंपरिक राजनीतिक दलों और सरकार की नीतियों के खिलाफ जनता के गहरे असंतोष का प्रमाण है। राजनीतिक जानकारों की मानें तो राजस्थान की 309 नगर निकायों के परिणामों में यूजीसी रोलबैक समर्थित प्रत्याशियों और नोटा अपील का असर आंकड़ों में नजर आता है। राज्य के 309 में से 145 निकायों में त्रिशंकु स्थिति बनी है, जहां अब बोर्ड बनाने की चाबी इन्हीं निर्दलीय पार्षदों के पास है।

भीलवाड़ा में BJP की जसवंत कंवर का महापौर बनना तय, भरतपुर में निर्दलीय तय करेंगे किसका बनेगा बोर्ड

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। राजस्थान की 305 निकायों में मेयर, सभापति और अध्यक्ष पद के लिए नामांकन का आज आखिरी दिन रहा। दोपहर 3 बजे तक भाजपा, कांग्रेस समेत कई निर्दलीय प्रत्याशियों ने पर्चे दाखिल किए। भीलवाड़ा में भाजपा की जसवंत कंवर का महापौर बनना लगभग तय माना जा रहा है, क्योंकि कांग्रेस ने खुद को महापौर की रेस से बाहर कर लिया। वहीं, भरतपुर में किसका बोर्ड बनेगा, यह निर्दलीय ही तय करेंगे। बीकानेर में कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी अनिल कल्ला के सामने पार्टी के ही नवरतन डागा ने नामांकन दाखिल कर बगावत के संकेत दिए हैं। अजमेर, उदयपुर, पाली समेत कई निकायों में भी प्रत्याशियों के नाम सामने आने के साथ मुकाबले की तस्वीर साफ हो गई है। बता दें कि नामांकन पत्रों की संवीक्षा 17 सितंबर को सुबह 11 बजे होगी। वहीं, 18 सितंबर को दोपहर 3 बजे तक उम्मीदवारी वापस ली जा सकेगी। इसके बाद मेयर चुनाव की तस्वीर और स्पष्ट होगी। अध्यक्ष के लिए मतदान 21 सितंबर और उपाध्यक्ष के चुनाव 22 सितंबर को होगा। कोटकासिम नगरपालिका चुनाव 2026 में भाजपा प्रत्याशी रेखा सैनी ने निर्विरोध अध्यक्ष पद हासिल किया है। उनके सामने अध्यक्ष पद के लिए किसी अन्य प्रत्याशी ने नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया। नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद रेखा सैनी का निर्विरोध निर्वाचन तय हो गया। रेखा सैनी ने नगरपालिका के वार्ड 10 से चुनाव जीता था। भीलवाड़ा नगर निगम की पहली महापौर भाजपा की जसवंत कंवर होगी। कांग्रेस की तरफ से 70 में से महज 10 सीट होने से नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया। भाजपा की ही एक बागी प्रत्याशी ने नामांकन दाखिल किया है। ऐसे में कुल दो नामांकन पत्र दाखिल हुए हैं। जिसके चलते भाजपा प्रत्याशी की जीत पक्की मानी जा रही है। भीलवाड़ा में बीजेपी ने जसवंत कंवर को महापौर प्रत्याशी घोषित किया है।

राजस्थान के चर्चित भंवरी देवी हत्याकांड का सीन री-क्रिएट, 3 संदिग्धों के पॉलीग्राफी टेस्ट पर टिकी नजरें

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। राजस्थान के लोहावट थाना क्षेत्र के जंभेश्वरनगर गांव में घर के बाहर सो रही भंवरी देवी विश्नोई की धारदार हथियार से निर्मम हत्या और उनकी दो मासूम बेटियों पर हुए जानलेवा हमले के सनसनीखेज मामले में एक बड़ा और निर्णायक अपडेट सामने आया है। राजस्थान पुलिस महानिदेशक (DGP) के निर्देश पर गठित विशेष जांच दल (SIT) की मांग पर मंगलवार को जयपुर से स्टेट फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (FSL) की पूरी विशेषज्ञों की टीम लोहावट पहुंची और मौका-ए-वारदात पर पहुंचकर पूरे घटनाक्रम का सीन री-क्रिएट कराया। इस दौरान एसआईटी का नेतृत्व कर रहे डीआईजी देवेंद्र विश्नोई और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर खुद मौजूद रहे। पुलिस की इस हाई-टेक कार्रवाई से उम्मीद जताई जा रही है कि वैज्ञानिक साक्ष्यों के जरिए अब उस अज्ञात नकाबपोश हत्यारे तक पहुंचने में मदद मिलेगी, जिसने आधी रात को सो रहे परिवार पर हमला करके पूरे गांव को दहशत में डाल दिया था। एसआईटी के प्रमुख डीआईजी देवेंद्र विश्नोई ने मीडिया से बातचीत में बताया कि अनुसंधान को वैज्ञानिक दिशा देने के लिए जयपुर से फॉरेंसिक टीम को बुलाना जरूरी था।

मौके की वैज्ञानिक मैपिंगः एफएसएल की टीम ने घटनास्थल का विस्तृत मुआयना किया, अलग-अलग कोणों से हाई-रिज़ॉल्यूशन फोटोग्राफ्स लिए और वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए।

बच्चियों से ली गई पूरी जानकारीः अस्पताल से डिस्चार्ज होकर घर लौटीं घायल बेटियों से टीम ने बेहद संवेदनशील तरीके से बात की। घटना के समय हमलावर की कद-काठी, उसकी हलचल और हमले के समय की स्थितियों को समझा।

मनोरंजन समाचार

शादीशुदा मर्दों से चक्कर चलाने वाली महिलाओं पर भड़कीं तनीषा मुखर्जी

काजोल की बहन और बॉलीवुड एक्ट्रेस तनीषा मुखर्जी सोशल मीडिया पर अपनी बेबाक राय रखने के लिए जानी जाती हैं। वह अक्सर अपने एक्स अकाउंट पर सामाजिक मुद्दों और महिलाओं से जुड़े विषयों पर खुलकर अपनी बात रखती हैं। अब तनीषा ने शादीशुदा पुरुषों के साथ रिश्ते में रहने वाली महिलाओं को लेकर एक पोस्ट शेयर की है। अपने बयान में उन्होंने ऐसी महिलाओं को फेमिनिस्ट मानने से इनकार किया और कहा कि किसी शादीशुदा पुरुष के साथ अफेयर रखना उसकी पत्नी के सम्मान को ठेस पहुंचाने जैसा है। तनीषा ने अपनी पोस्ट में लिखा कि उनकी नजर में जो महिलाएं जानबूझकर शादीशुदा पुरुषों के साथ अफेयर करती हैं, उन्हें फेमिनिस्ट नहीं कहा जा सकता। उनका मानना है कि इस तरह के रिश्ते में उस पुरुष की पत्नी के अधिकारों और भावनाओं की अनदेखी होती है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ऐसी स्थिति के लिए केवल महिला को जिम्मेदार ठहराना सही नहीं है, बल्कि शादीशुदा पुरुष भी उतना ही जिम्मेदार है। एक्ट्रेस ने अपने पोस्ट में लिखा कि अगर कोई पुरुष शादीशुदा होने के बावजूद किसी दूसरी महिला के साथ रिश्ता बनाता है तो उसके चरित्र और फैसले पर भी सवाल उठना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि जो महिलाएं किसी शादीशुदा पुरुष के पीछे जाती हैं, उन्हें बच्चों के लिए रोल मॉडल के तौर पर पेश नहीं किया जाना चाहिए। अपने इस पोस्ट के आखिर में उन्होंने हैशटैग के साथ लिखा कि उन्होंने जो कहना था, साफ-साफ कह दिया।

'हनुमान अंश' की नहीं थम रही कमाई, 41वें दिन भी बॉक्स ऑफिस पर दिखा कमाल

नीम करौली बाबा के जीवन पर बनी 'हनुमान अंश' इस साल के सबसे बड़े सरप्राइज में से एक है। 2 करोड़ के मामूली बजट में बनी ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अब कई बड़ी और बिग बजट फिल्मों को पीछे छोड़ती नजर आ रही है। 'हनुमान अंश' को रिलीज हुए 41 दिन हो चुके हैं और अब भी ये रुकने का नाम नहीं ले रही है। वीकेंड ही नहीं वर्किंग डेज पर भी ये पीछे हटने का नाम नहीं ले रही है। शोभिनव सत्य स्टारर इस फिल्म की कहानी नीम करौली बाबा के जीवन पर आधारित है। फिल्म 7 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और अब बॉक्स ऑफिस पर ये 41 दिन पूरे कर चुकी है। तो चलिए जानते हैं 41वें दिन फिल्म ने कितना कलेक्शन किया। 7 अगस्त को रिलीज हुई 'हनुमान अंश' की बॉक्स ऑफिस पर शुरुआत काफी धीमी रही। पहले हफ्ते इस फिल्म ने मात्र 1.08 करोड़ का कलेक्शन किया और दूसरे हफ्ते पर फिल्म का ऐसा हाल रहा कि देखकर लगा कि ये बॉक्स ऑफिस पर दम तोड़ने वाली है। दूसरे हफ्ते फिल्म ने मात्र 40 लाख का कलेक्शन किया, लेकिन तीसरे हफ्ते में ऐसा चमत्कार देखने को मिला, जिसकी किसी ने उम्मीद भी नहीं की थी। तीसरे हफ्ते फिल्म ने 10.40 करोड़ से ज्यादा की कमाई की और चौथे सप्ताह इसका कलेक्शन 61 करोड़ से ज्याद रहा। अब फिल्म को रिलीज हुए 41 दिन हो चुके हैं और 41वें दिन के आंकड़े भी सामने आ गए हैं। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, 41वें दिन फिल्म ने 4.08 करोड़ का कलेक्शन किया है। शुरुआत में कछुए की चाल से कमाई कर रही 'हनुमान अंश' अब 235.21 करोड़ का कलेक्शन कर चुकी है। इसका ग्रॉस कलेक्शन 277.72 करोड़ हो गया है। ट्रेड एक्सपर्ट्स का मानना है कि अगर यही रफ्तार जारी रहती है तो जल्दी ही फिल्म 300 करोड़ का आंकड़ा भी छू लेगी। हनुमान अंश ने मंगलवार यानी रिलीज के चालीसवें दिन 8.25 करोड़ का कलेक्शन किया था।

फिर लगेगा ठहाकों का तड़का, लौट रहा 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' का सीजन 5

कॉमेडियन कपिल शर्मा एक बार फिर अपने पॉपुलर कॉमेडी गैंग के साथ दर्शकों को हंसाने के लिए तैयार हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के पांचवें सीजन की घोषणा कर दी है। लंबे समय से शो की वापसी का इंतजार कर रहे दर्शकों के लिए यह खबर किसी ट्रीट से कम नहीं है। खास बात यह है कि नया सीजन फेस्टिव सीजन की शुरुआत के साथ दर्शकों के बीच दस्तक देने जा रहा है। शो का प्रीमियर 26 सितंबर से होगा और इसके नए एपिसोड हर शनिवार स्ट्रीम किए जाएंगे। 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के सीजन 5 का पहला एपिसोड 26 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगा।

पिता CM बने तो बेटे की फिल्म से बनाई दूरी, जेसन संजय ने बताया क्यों विजय नहीं करेंगे 'सिगमा' का प्रमोशन

तमिल सिनेमा के सुपरस्टार और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय के बेटे जेसन संजय इन दिनों अपनी डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म 'सिगमा' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म की रिलीज से पहले मंगलवार को सलेम में इसका प्री-रिलीज इवेंट आयोजित किया गया, जहां जेसन ने अपने पिता से जुड़े कई सवालों के जवाब दिए। उन्होंने साफ किया कि विजय फिल्म के प्रमोशन का हिस्सा नहीं बनेंगे। जेसन के मुताबिक वह चाहते हैं कि 'सिगमा' की चर्चा फिल्म की कहानी, कलाकारों और पूरी टीम के काम को लेकर हो, न कि सिर्फ इसलिए कि इसे विजय के बेटे ने निर्देशित किया है। इवेंट के दौरान जेसन संजय ने कहा कि उनके पिता फिल्म की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं और वह खुद फिल्म देखने को लेकर काफी उत्साहित हैं। हालांकि, विजय प्रमोशन में शामिल नहीं होंगे। जेसन ने इसकी वजह भी बताई। उनका कहना था कि वह नहीं चाहते कि फिल्म का प्रचार उनके पिता के इर्द-गिर्द घूमे। वह चाहते हैं कि दर्शक 'सिगमा' को उसकी कहानी और टीम की मेहनत के आधार पर जानें। जेसन ने यह भी कहा कि विजय अब तमिलनाडु के मुख्यमंत्री हैं और उनके पास पहले की तुलना में कहीं ज्यादा जिम्मेदारियां हैं। ऐसे में उनका फिल्म के प्रमोशन में शामिल होना जरूरी नहीं है। जेसन के मुताबिक उनके पिता फिलहाल इस बात का इंतजार कर रहे हैं कि उन्होंने बतौर निर्देशक क्या बनाया है। उन्होंने कहा कि विजय फिल्म को देखने के लिए काफी उत्साहित हैं। इवेंट में जेसन से जब पूछा गया कि उन्होंने अपने पिता से कौन-सी खास आदत सीखी है, तो उन्होंने सिर्फ एक शब्द में जवाब दिया- 'पंक्चुअलिटी'। यानी समय की पाबंदी। यह जवाब छोटा जरूर था, लेकिन इससे पता चलता है कि जेसन अपने पिता की प्रोफेशनल आदतों से प्रभावित हैं। विजय के मुख्यमंत्री बनने पर अपनी प्रतिक्रिया के बारे में पूछे जाने पर जेसन ने कहा कि उन्हें बेहद खुशी हुई थी। उन्होंने बताया कि यह उनके लिए और उनके आसपास मौजूद सभी लोगों के लिए खुशी का पल था। जेसन ने यह भी संकेत दिया कि वह भविष्य में अभिनय के मौके मिलने पर इस दिशा में भी कदम रख सकते हैं। हालांकि फिलहाल उनका पूरा ध्यान 'सिगमा' की रिलीज और बतौर निर्देशक अपनी पहचान बनाने पर है। सलेम में आयोजित प्री-रिलीज इवेंट के दौरान एक ऐसा पल भी आया जिसने सभी का ध्यान खींच लिया। कार्यक्रम में मौजूद दर्शकों ने जोर-जोर से TVK के नारे लगाने शुरू कर दिए। नारेबाजी उस समय और तेज हो गई जब जेसन ने अपने परिवार को धन्यवाद दिया। जेसन के मंच पर बोलते समय भीड़ लगातार नारे लगाती रही। इस दौरान फिल्म के कलाकार सुंदीप किशन और फारिया अब्दुल्लाह की प्रतिक्रियाएं भी कैमरे में कैद हुईं। कार्यक्रम के होस्ट ने स्थिति संभालने की कोशिश की और माइक्रोफोन की आवाज को एडजस्ट किया। आखिरकार जेसन ने मुस्कुराते हुए भीड़ की तरफ अंगूठा दिखाया और फिर अपना भाषण जारी रखा। फिल्म की कहानी के बारे में बात करते हुए जेसन ने इसे एक आम आदमी की कहानी बताया।

'Vvaan' के 'छठी मैया' गाने पर आया तमन्ना भाटिया के पंडित जी का रिएक्शन, डिटेल्स देख बोले, 'सब फिल्म देखने जाएंगे'

एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया ने बुधवार (16 सितंबर) को 'Vvaan: Force of the Forest' के ट्रेलर लॉन्च पर फिल्म के भक्ति गीत 'छठी मैया' के बारे में बात की और इस गाने पर अपने पंडित जी की प्रतिक्रिया का रिएक्शन बताया। इस दौरान तमन्ना ने छठ को "सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि एक भावना" भी बताया। एक्ट्रेस ने मुंबई में सिद्धार्थ मल्होत्रा, मनीष पॉल, सुनील ग्रोवर, श्वेता तिवारी, अनूप सोनी, प्रोड्यूसर एकता कपूर और डायरेक्टर दीपक कुमार मिश्रा के साथ इवेंट में शामिल होते हुए यह किस्सा शेयर किया। तमन्ना ने बताया कि उनके पंडित जी ने गाने में दिखाई गई बारीकियों पर ध्यान दिया और फिल्म देखने में दिलचस्पी दिखाई। एक्ट्रेस ने बताया, "कल (15 सितंबर) मेरे घर पर गणपति उत्सव मनाया जा रहा था। हम पूजा कर रहे थे और कल ही विसर्जन भी किया। मेरे पंडित जी ने कहा, 'आपने जो फिल्म बनाई है, हम सब जाकर देखेंगे।' छठ का महत्व, जैसा हमने दिखाया है, उन्होंने उन सभी बारीकियों पर ध्यान दिया और बहुत तारीफ की।" उन्होंने अपनी बिल्डिंग के वॉचमैन के साथ हुई बातचीत का भी जिक्र करते हुए बताया कि उसने उनसे पूछा था कि क्या फिल्म छठ पर आधारित है। इस बात को साफ करते हुए तमन्ना ने बताया कि हालांकि कहानी में छठ की अहम भूमिका है, लेकिन फिल्म 'वन देवी' पर केंद्रित है। बता दें कि सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया स्टारर 'द वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' आने वाली 25 सितंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म को टीवीएफ के अरुणाभ कुमार ने लिखा है, जबकि दीपक मिश्रा ने इसका निर्देशन किया है। यह फिल्म बालाजी मोशन पिक्चर्स ने टीवीएफ और 11.11 प्रोडक्शन के साथ मिलकर बनाई है। फिल्म को शोभा कपूर, एकता आर कपूर, अरुणाभ कुमार और नीरज कोठारी ने प्रोड्यूस किया है। मनु आनंद फिल्म के फोटोग्राफी डायरेक्टर और विजुअल डायरेक्टर हैं। ट्रेलर लॉन्च के दौरान तमन्ना ने कहा कि 'छठी मैया' गाने को तैयार करते समय छठ पर्व से जुड़ी परंपराओं और भावनाओं को विशेष रूप से ध्यान में रखा गया है। उनके मुताबिक, गीत में पूजा-पद्धति और पर्व से जुड़े छोटे-छोटे पहलुओं को भी जगह देने की कोशिश की गई है, ताकि दर्शकों को इसकी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि वास्तविक और भावनात्मक नजर आए। तमन्ना ने बताया कि पंडित जी की प्रतिक्रिया उनके लिए खास रही, क्योंकि उन्होंने गाने में दिखाई गई बारीकियों को तुरंत पहचाना। एक्ट्रेस के अनुसार, उनके पंडित जी ने फिल्म देखने की इच्छा जताई और छठ से जुड़े हिस्से की तारीफ भी की। इससे तमन्ना को लगा कि फिल्म की टीम की ओर से की गई सांस्कृतिक प्रस्तुति दर्शकों तक सही तरीके से पहुंच रही है। वहीं, बिल्डिंग के वॉचमैन द्वारा फिल्म को सीधे छठ पर्व पर आधारित समझे जाने के सवाल का जिक्र करते हुए तमन्ना ने स्पष्ट किया कि छठ कहानी का महत्वपूर्ण हिस्सा जरूर है, लेकिन फिल्म का केंद्रीय विषय इससे कहीं व्यापक है। कहानी में 'वन देवी' और उससे जुड़े रहस्यमय पहलुओं को प्रमुखता दी गई है, जिसके इर्द-गिर्द फिल्म की कथा आगे बढ़ती है। फिल्म के ट्रेलर में भी प्रकृति, रहस्य और भारतीय लोक आस्थाओं का मिश्रण देखने को मिलता है। ऐसे में 'छठी मैया' गीत फिल्म के भावनात्मक और सांस्कृतिक पक्ष को सामने लाने के साथ-साथ कहानी के वातावरण को मजबूत करने का काम करता है। गाने को लेकर दर्शकों के बीच भी चर्चा बढ़ रही है। 'द वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' में सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया के साथ मनीष पॉल, सुनील ग्रोवर, श्वेता तिवारी और अनूप सोनी जैसे कलाकार नजर आएंगे। फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी दीपक कुमार मिश्रा ने संभाली है। टीवीएफ से जुड़े अरुणाभ कुमार के लेखन और बालाजी मोशन पिक्चर्स के साथ संयुक्त निर्माण ने फिल्म को लेकर दर्शकों की दिलचस्पी बढ़ाई है।

सुनील शेट्टी-प्रीति जिंटा से पंकज त्रिपाठी तक, सेंसर बोर्ड की नई टीम का हुआ ऐलान, देखें नए सदस्यों की लिस्ट

फिल्मों के प्रमाणन से जुड़े केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड में अब नई टीम काम करेगी। सरकार ने सीबीएफसी की नई टीम के लिए 18 सदस्यों की नियुक्ति को मंजूरी दी है। नवनियुक्त सदस्यों में मनोरंजन उद्योग से जुड़े कई जाने-पहचाने नाम शामिल हैं। इस नए सलाहकार बोर्ड में भारतीय सिनेमा से लेकर टेलीविजन जगत के कई दिग्गज कलाकारों को शामिल किया गया है। फिर से गठित बोर्ड के प्रमुख नामों में प्रीति जिंटा, पंकज त्रिपाठी, सुनील शेट्टी, रूपाली गांगुली, पल्लवी जोशी और प्रोसेनजीत चटर्जी जैसे कलाकारों के नाम शामिल किए गए हैं। फिल्ममेकर प्रियदर्शन और ग्रैमी अवॉर्ड जीतने वाले कंपोज़र रिकी केज भी इसके सदस्यों में शामिल हैं। केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड की नवनियुक्त टीम की बात करें तो इसमें सुनील शेट्टी, प्रियदर्शन, पंकज त्रिपाठी, प्रीति जिंटा, मनोज जोशी, विनोद अनुपम, रिकी केज, हंसराज हंस, सुप्रिया यारलागद्दा, यतींद्र मिश्रा, रूपाली गांगूली, नील माधव पंडा, प्रोसेनजीत चटर्जी, पल्लव जोशी, निशिगंधा वाड, वामन केंद्रे और रमेश पतंगे जैसे चर्चित नाम शामिल हैं। बता दें, इससे पहले इसी साल 3 मई को सीबीएफसी के नए चेयरमैन की भी नियुक्ति हुई थी। केंद्र सरकार ने शशि शेखर वेम्पति को सीबीएफसी का नया चेयरमैन नियुक्त किया था। शशि शेखर ने प्रसून जोशी की जगह ली।

मंदाकिनी ने 'राम तेरी गंगा मैली' के सीन की बताई सच्चाई, बोलीं- 'मैंने डीप नेक ब्लाउज पहना और बच्चे को चिपका लिया बस'

'राम तेरी गंगा मैली' से रातों रात फेमस हुईं मंदाकिनी ने अपनी 1985 की इस फिल्म के चर्चित ब्रेस्ट-फीडिंग सीन पर हाल ही में बात की है। एक्ट्रेस ने बताया कि वह सीन असल में ब्रेस्ट-फीडिंग का सीन नहीं था और बताया कि इसके लिए किसी बॉडी डबल का इस्तेमाल नहीं किया गया था। उन्होंने बताया कि सीन को इस तरह से शूट किया गया था कि एक भ्रम पैदा हो गया, उन्होंने इसकी तुलना आज के समय में महिलाओं द्वारा पहने जाने वाले लो-नेक कपड़ों से की, जिनमें ज्यादा स्किन दिखती है। हाल ही में ANI के साथ पॉडकास्ट में मंदाकिनी से पूछा गया कि क्या वह सीन असल में ब्रेस्ट-फीडिंग का सीन था।

उन्होंने कहा, "नहीं, वह था ही नहीं, उन्होंने उसे इतने अच्छे तरीके से शूट किया था।" जब उनसे पूछा गया कि क्या बॉडी डबल का इस्तेमाल किया गया था, तो एक्ट्रेस ने इससे इनकार करते हुए कहा, "बॉडी डबल भी नहीं था, मैं ही थी, लेकिन वह ब्रेस्ट-फीडिंग सीन नहीं था।" सीन कैसे बनाया गया, यह बताते हुए मंदाकिनी ने इसकी तुलना महिलाओं के लो-नेक कपड़े पहनने से की।

उन्होंने कहा, "यह वैसा ही है जैसे आजकल आप देखते हैं कि लड़कियां कितने लो-नेक कपड़े पहनती हैं, कितना ज्यादा लो, सचमुच ऐसा लगता है कि आप सब कुछ देख सकते हैं। ठीक उसी तरह से।" उन्होंने आगे समझाया, "मान लीजिए मैंने लो-नेक कपड़े पहने हैं और बच्चे को कसकर यहां चिपका लिया है। तो उसमें आपको कैसे पता चलेगा कि फीडिंग हो रही है या नहीं?" एक्ट्रेस ने आगे बताया कि उन्हें पता था कि सीन स्क्रीन पर कैसा दिखेगा।

मंदाकिनी ने यह भी कहा कि उस सीन को इतनी बड़ी चर्चा का

विषय नहीं बनाना चाहिए, क्योंकि यह एक सामान्य बायोलॉजिकल पहलू है। उन्होंने कहा, "बार-बार उस चीज को समझाना मुझे भी अच्छा नहीं लगता। फिर कहीं न कहीं ऐसी भावना आ जाती है कि मुझे बुरा लग रहा है। जैसे मुझे बहुत बुरा लग रहा हो और मैं सफाई दे रही हूं कि मैंने ऐसा नहीं किया है।" बाद में उन्हें जिस तरह से "सेक्स सिंबल" के तौर पर दिखाया गया, उस पर बात करते हुए उन्होंने माना कि उन्हें अंदाजा भी नहीं था कि फिल्म इतनी बड़ी हिट होगी।

सार समाचार

अमेरिका ने दूसरी बार रिजेक्ट किया फिलिस्तीनी राष्ट्रपति का वीजा

फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास को अगले हफ्ते न्यूयॉर्क में होने वाले संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र में शामिल होने के लिए वीजा नहीं मिलेगा। अमेरिका ने सीधे उनका वीजा रिजेक्ट कर दिया है। यह दूसरी बार है, जब महमूद अब्बास का अमेरिका ने वीजा रिजेक्ट किया है। पिछले साल भी वह यूएन महासभा में शामिल नहीं हो पाए थे। तब भी अब्बास को अमेरिका आने की इजाजत नहीं मिली थी और उन्हें वीडियो के जरिए ही भाषण देना पड़ा था।

अमेरिकी विदेश विभाग ने साफ कह दिया है कि फिलिस्तीनी अथॉरिटी और पीएलओ के अधिकारियों पर वीजा पाबंदियां जारी रहेंगी। उनका आरोप है कि ये लोग जरूरी सुधार नहीं कर रहे और शांति की संभावनाओं को नुकसान पहुंचा रहे हैं। पिछले साल जब अब्बास को वीजा नहीं मिला तो सदस्य देशों ने वीडियो भाषण की इजाजत दी थी। इस बार भी यही स्थिति बन रही है। न्यूयॉर्क पहुंचने से रोक दिए जाने के बाद अब्बास को फिर से दूर से ही बात रखनी पड़ेगी। अमेरिका का कहना है कि फिलिस्तीनी नेतृत्व सुधारों में नाकाम रहा है। इस वजह से उनके कई अधिकारियों पर वीजा प्रतिबंध बढ़ा दिए गए हैं। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब मध्य पूर्व में तनाव पहले से ही काफी ज्यादा है। अमेरिका ने फिलिस्तीनी अथॉरिटी (पीए) के अधिकारियों और फिलिस्तीन लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन (पीएलओ) के सदस्यों पर वीजा पाबंदियां बढ़ा दी हैं। अमेरिका का आरोप है कि ये दोनों संगठन वॉशिंगटन से किए गए वादों को पूरा करने में नाकाम रहे हैं।

ईरान-अमेरिका तनाव के बीच ट्रंप का बड़ा दावा, जॉर्डन स्थित एयरबेस पर हुए हमले को लेकर किया साफ

अम्मान। जॉर्डन में ईरान ने अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमला किया है। इस मामले में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बड़ी प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने उन खबरों को खारिज कर दिया है, जिनमें बताया गया था कि जॉर्डन स्थित मुवाफ्फक सलती एयर बेस पर ईरान ने अटैक किया है, जिसमें कई अमेरिकी लड़ाकू विमान क्षतिग्रस्त हो गए हैं। इसको लेकर ट्रंप ने दावा किया कि इन खबरों में कोई भी सच्चाई नहीं है। मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा, "बिल्कुल भी नहीं। कोई नुकसान नहीं। कुछ भी नहीं हुआ।" इससे पहले CBS न्यूज ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि मंगलवार से बुधवार के बीच रात में ईरान ने जॉर्डन में स्थित अमेरिकी एयर बेस पर हमला किया था। इसमें कई अमेरिकी सैन्य विमानों को नुकसान पहुंचा है।

नेपाल में बाढ़ से मरने वालों की संख्या 1400 के पार, 6 हजार से अधिक अब भी लापता, जानिए चीन में कितने की गई जान?

नेपाल में अचानक आई बाढ़ से मरने वालों की संख्या बुधवार को 1400 के पार हो गई। बाढ़ प्रभावित जिलों में और शव मिलने के साथ बचाव दल 6 हजार से अधिक लापता लोगों की तलाश में जुटे हैं। नेपाल पुलिस की ओर से जारी एक बुलेटिन के अनुसार, मृतकों की संख्या बढ़कर 1,404 हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि अब तक 13,700 से अधिक लोगों को बचाया जा चुका है, जबकि करीब 6,150 लोग अब भी लापता हैं। चीन की तरफ आई बाढ़ से 43 लोगों की मौत हुई है। नेपाल-तिब्बत सीमा के पास 26 अगस्त को हिमस्खलन के कारण आई अचानक बाढ़ ने उत्तरी और मध्य नेपाल के कस्बों और गांवों में भारी तबाही मचाई थी। हिमालयी सीमा क्षेत्र से दक्षिण की ओर बहने वाली भोटेकोशी नदी में बाढ़ आई, जिससे मकान, वाहन, सड़कें और पुल बह गए तथा पनबिजली परियोजनाओं को भी नुकसान पहुंचा है। इस आपदा के अब 21 दिन हो गए हैं। चीनी मीडिया के अनुसार, चीन की तरफ भी बाढ़ में 43 लोगों की मौत हुई है और 500 से अधिक लोग अब भी लापता हैं। अधिकारियों ने बताया कि नेपाल में अकेले चितवन जिले में 364 शव बरामद किए गए हैं, जो सभी जिलों में सबसे अधिक हैं। इसके बाद नवलपरासी पूर्व में 232 और नवलपरासी पश्चिम में 222 शव मिले हैं। बाकी शव नुवाकोट, रसुवा, गोरखा, धादिंग और तनाहुन जिलों से बरामद हुए हैं। अधिकारियों के अनुसार, मृतकों की पहचान करना बड़ी चुनौती बनकर सामने आया है।

जयशंकर ने भूटान को क्यों सौंपीं 43 शुद्ध जर्सी गायें? भारत की तरफ से इस अनोखे तोहफे की वजह भी जानिए

थिम्पू। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर भूटान के बूमथांग पहुंचे जहां उन्होंने भारत-भूटान रिश्तों को और मजबूत बनाने वाले कई काम किए। उन्होंने स्थानीय किसानों की मदद के लिए शुद्ध नस्ल की 43 जर्सी गायें सौंपीं, ऐतिहासिक वांगदुएछोलिंग पैलेस देखा और पवित्र कुर्जे ल्हाखांग में प्रार्थना की। जयशंकर ने नेशनल कैटल ब्रीडिंग सेंटर का भी दौरा किया। उन्होंने कहा कि भारत से आई ये गायें भूटान के डेयरी कार्यक्रम को मजबूत करेंगी। जयशंकर ने कहा कि इससे दूध की पैदावार बढ़ेगी और स्थानीय किसानों को फायदा होगा। इसके बाद जयशंकर ने वांगदुएछोलिंग पैलेस और म्यूजियम देखा। यह जगह पहले शाही निवास और दरबार थी। यहां भूटान का इतिहास, कला, शिल्प और वास्तुकला दिखती है।

जयशंकर ने कहा कि यह महल आधुनिक भूटान बनाने में राजतंत्र की भूमिका का प्रमाण है। जयशंकर ने कुर्जे ल्हाखांग में भी प्रार्थना की। यह भूटान की सबसे पवित्र जगहों में से एक है। जयशंकर ने लिखा, 'पवित्र कुर्जे ल्हाखांग में श्रद्धा व्यक्त की। हमारे लोगों और भारत-भूटान संबंधों की भलाई के लिए प्रार्थना की।' जयशंकर ने भूटान के विदेश मंत्री ल्योनपो डीएन ढुंगयेल से भी मुलाकात की। दोनों ने विकास साझेदारी, ऊर्जा, व्यापार, कनेक्टिविटी, संस्कृति और लोगों के बीच रिश्तों पर बात की। जयशंकर ने कहा कि ये चर्चाएं दोनों देशों के बीच विश्वास और सद्भावना को दिखाती हैं। बैठक के बाद दोनों मंत्रियों ने बुनियादी ढांचे, ऊर्जा और स्वास्थ्य से जुड़े कई बड़े द्विपक्षीय प्रोजेक्ट्स का शुभारंभ किया। यह भारत-भूटान साझेदारी की मजबूती को रेखांकित करता है। जयशंकर 16-17 सितंबर को भूटान के आधिकारिक दौरे पर हैं। यह दौरा भूटान के विदेश मंत्री ढुंगयेल के निमंत्रण पर हुआ है। इस दौरान वे भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्येल वांगचुक से शाही मुलाकात करेंगे और प्रधानमंत्री छेरिंग तोबगे से भी मिलेंगे। बता दें कि भारत और भूटान के बीच काफी अच्छे रिश्ते हैं।

हूतियों ने मार गिराया था सऊदी अरब का F-15 लड़ाकू विमान? अब जारी किया मलबे का VIDEO

यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने दावा किया है कि उन्होंने सऊदी अरब के एक F-15 लड़ाकू विमान को मार गिराया है। यमन के हूती विद्रोहियों के सैन्य मीडिया प्लेटफॉर्म ने यमन के मारिब प्रांत के ऊपर सऊदी अरब के एक F-15 लड़ाकू विमान को मार गिराने का दावा करते हुए एक वीडियो फुटेज जारी किया है। हालांकि, सऊदी अरब ने अभी तक F-15 विमान के गिराए जाने की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है, इसलिए हूतियों के इस दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर बयान जारी कर कहा कि सऊदी F-15 मारिब के हवाई क्षेत्र में सैन्य अभियान चला रहा था। इसी दौरान हूती बलों ने उस पर हमला किया। हूती विद्रोहियों की ओर से जारी वीडियो में रेगिस्तानी इलाके में विमान का जला हुआ मलबा दिखाई देने का दावा किया गया है। वीडियो में विमान के बड़े हिस्से जमीन पर बिखरे नजर आते हैं। कुछ जगहों पर मलबे के बीच आग भी दिखाई दे रही है। हूतियों का कहना है कि मलबे में विमान की पूंछ का वह हिस्सा भी मौजूद है, जिस पर सऊदी अरब का झंडा और अरबी में निशान दिखाई देते हैं। हूतियों ने आरोप लगाया है कि सऊदी अरब ने पिछले एक सप्ताह के दौरान यमन के अलग-अलग इलाकों में 450 से ज्यादा हवाई हमले किए हैं। संगठन के मुताबिक, इन हमलों में F-15 और टाइफून लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल किया गया। हूतियों का दावा है कि ये विमान खमीस मुशैत और ताइफ एयरबेस से उड़ान भर रहे थे। इन विमानों ने ताइज, लहज, अल-जौफ, हज्जाह, मारिब, सादा और अल-बायदा समेत कई यमनी प्रांतों को निशाना बनाया।

मध्य-पूर्व में तनाव के बीच इजरायल को 40 हजार शक्तिशाली बम देने की तैयारी में ट्रंप!

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन एक प्रस्तावित सैन्य समझौते के अंतर्गत इजरायल को 2 हजार पाउंड वजन वाले बेहद ताकतवर बम देने की प्लानिंग बना रहा है। ये वही हथियार हैं, जिनकी सप्लाई पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने गाजा में भीषण तबाही और बड़े पैमाने पर जनहानि की आशंका के चलते रोक दी थी। दो अमेरिकी अफसरों ने नाम ना जाहिर करने की शर्त पर बीते मंगलवार को बताया कि 2.8 अरब डॉलर के इस पैकेज में 40 हजार बम देने की प्लानिंग है। हालांकि, इस प्लान को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है। अमेरिकी कांग्रेस को इस डील के बारे में अनौपचारिक तौर पर सूचित कर दिया गया है। डील की ज्यादातर राशि Foreign Military Financing के माध्यम से चुकाई जानी है। दावा है कि Foreign Military Financing के तहत अमेरिकी टैक्सपेयर्स के पैसे इजरायल को दिए जाते हैं। इजरायल उसी राशि का प्रयोग अमेरिका से हथियार खरीदने के लिए करता है। गौरतलब है कि यह प्रस्तावित बिक्री इजरायल की मिलिट्री कैपेबिलिटीज को बढ़ाने के ट्रंप प्रशासन की तरफ से उठाए जा रहे कदमों की सीरीज में लेटेस्ट है। आर्म्स सेल्स प्लान की जानकारी सबसे पहले 'द वाशिंगटन पोस्ट' ने अपनी खबर में दी है। इस डील की तैयारी ऐसे वक्त में हो रही है, जब हमास के 7 अक्टूबर, 2023 के घातक अटैक के जवाब में गाजा में शुरू किए गए युद्ध की वजह से इजरायल को बढ़ते अंतरराष्ट्रीय अलगाव का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिका के Mediation से इजरायल-हमास के बीच सीजफायर हुआ था, लेकिन इसके बावजूद हिंसा हुई थी। इजरायल-गाजा में चले संघर्ष की वजह से सैकड़ों इजरायली और हजारों फिलीस्तीनी मारे गए थे। संघर्ष से इस इलाके में बड़े पैमाने पर तबाही हुई है। इससे पहले, बीते अगस्त में इजरायली PM नेतन्याहू ने ट्रंप से बात की थी और उन्हें बताया था कि हमास, हथियार डालने नहीं बल्कि गाजा में फिर पैर जमाने की तैयारी में है।

नेपाल में दो बार कांपी धरती, 4.5 और 4.2 तीव्रता के भूकंप से मचा हड़कंप

उत्तर-पश्चिमी नेपाल में लगातार दो बार भूकंप आया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। हालांकि, भूकंप से अभी तक किसी के हताहत होने या संपत्ति को नुकसान पहुंचने की तत्काल कोई सूचना नहीं है। राष्ट्रीय भूकंपीय अनुसंधान केंद्र के अनुसार, पहले भूकंप की तीव्रता 4.5 थी और यह स्थानीय समयानुसार मंगलवार देर रात एक बजकर 51 मिनट पर दर्ज किया गया। वहीं, दूसरे भूकंप की तीव्रता 4.2 थी, जो स्थानीय समयानुसार सुबह 4:28 बजे आया। इसका केंद्र मुगु जिले के कलाई क्षेत्र के आसपास था। भूकंप के झटके पड़ोसी जिलों डोल्पा और जुम्ला में भी महसूस किए गए। हालांकि, इनसे किसी तरह के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं मिली। नेपाल भूकंपीय रूप से सक्रिय क्षेत्र में स्थित है।

अधिकारियों ने प्रभावित क्षेत्रों में किसी संभावित आफ्टरशॉक (बाद के झटकों) या ढांचागत नुकसान पर नजर रखने के लिए निगरानी बढ़ा दी है। इससे पहले, राजस्थान के झालावाड़ जिले में मंगलवार सुबह भूकंप के तीन हल्के झटके महसूस किए गए। पिड़ावा ब्लॉक की नोलाई ग्राम पंचायत के नोलाई समेत चार-पांच गांवों में झटकों के बाद कुछ देर के लिए दहशत का माहौल बन गया। एहतियात के तौर पर एक सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों को इमारत से बाहर निकालकर खुले मैदान में पहुंचाया गया और स्कूल को दिनभर के लिए बंद कर दिया गया। कुछ ग्रामीणों के अनुसार, तीसरे झटके के दौरान घरों में रखे बर्तन भी गिर गए।

ट्रंप को मिला 100% टैरिफ वाला हथियार! US हाउस में बिल हुआ पास, भारत-चीन को हो सकती है मुश्किल

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर भारत पर टैरिफ बम फोड़ सकते हैं। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में वो बिल पास हो गया है जो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर भारी टैरिफ लगाने का अधिकार देता है। इस बिल के पास होने के बाद अब राष्ट्रपति ट्रंप को रूस पर प्रतिबंध लगाने का अधिकार मिल गया है। इसके साथ ही रूस से तेल और गैस खरीदने वाले भारत और चीन जैसे देशों पर भारी टैरिफ लगाने का हक भी मिला है। यह कानून अमेरिका को उन देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने की इजाजत देता है जो रूस से तेल और गैस खरीदना जारी रखते हैं। US हाउस में हुई बहस में भारत और चीन को खास तौर पर उन बड़े खरीदारों के तौर पर पहचाना गया है जिन पर इस प्रावधान का असर पड़ सकता है। पिछले महीने अगस्त में US सीनेट से पास हुए 'लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026' को बुधवार शाम हाउस ने 262-159 वोटों से मंजूरी दे दी और अब यह कानून बनने के लिए ट्रंप के पास जाएगा। बता दें कि यह कानून रूसी अफसरों, वित्तीय संस्थानों और बैंकिंग अधिकारियों के विरुद्ध सजा के दायरे को बढ़ाता है। इसके अलावा, यह कानून अमेरिकी राष्ट्रपति को निर्देश देता है कि वे रूसी पेट्रोलियम के 5 मुख्य आयातकों पर 100 फीसदी तक टैरिफ लागू करें। हालांकि, इस कानून के तहत उन देशों को छूट दी गई है जो रूस के नेचुरल गैस एक्सपोर्ट का 15 फीसदी से कम इम्पोर्ट करते हैं और जिन्होंने ऐसी खरीद को कम करने के लिए ठोस कदम उठाए हैं। चूंकि चीन और भारत, रूसी कच्चे तेल के सबसे बड़े खरीदारों में शामिल हैं, इसलिए सपोर्टर्स ने स्पष्ट तौर पर इन दोनों देशों को टैरिफ के नियमों का प्रमुख निशाना बताया है। हालांकि, यह बिल अपने आप किसी देश के प्रोडक्ट्स पर 100 फीसदी टैरिफ लागू नहीं करता है। इसके बजाय, डोनाल्ड ट्रंप इसे लागू करते हैं, तो यह एग्जीक्यूटिव ब्रांच को तय कानूनी शर्तों के तहत ऐसे टैरिफ लगाने का अधिकार देता है। इस बिल के जरिए चीन और भारत समेत कई देशों के प्रोडक्ट्स पर टैरिफ लग सकता है। अमेरिका में रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर कड़े आर्थिक कदम उठाने की दिशा में बड़ा घटनाक्रम हुआ है। हालांकि यह कानून अपने आप टैरिफ लागू नहीं करता, बल्कि राष्ट्रपति को तय कानूनी शर्तों के तहत ऐसा करने का अधिकार प्रदान करता है।

'आतंकियों को पनाह देने वाला माहौल खत्म करना जरूरी', UN में भारत ने अफगानिस्तान का मुद्दा उठाया

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में अफगानिस्तान से लौटने वाले लोगों की स्थिति और आतंकवादी संगठनों को मिल रहे सुरक्षित ठिकानों का मुद्दा उठाया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पार्वथनेनी हरीश ने कहा कि आतंकियों को पनाह देने वाला माहौल खत्म करना जरूरी है। उन्होंने अफगानों की जबरन वापसी को लेकर भी चिंता जताई और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से मदद की अपील की है। पार्वथनेनी हरीश ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि 2025 में करीब 29 लाख अफगान वापस लौटे। वहीं, 22 अगस्त 2026 तक करीब 11.5 लाख और लोगों की वापसी हुई। इनमें बड़ी संख्या ऐसे लोगों की थी जिन्हें जबरदस्ती वापस भेजा गया। उन्होंने कहा कि 30 लाख से ज्यादा लोगों की इस तरह जबरन वापसी न तो सुरक्षित है और न ही सम्मानजनक। ऐसे लोगों के पुनर्वास और उन्हें समाज में दोबारा शामिल करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मदद मिलनी चाहिए। हरीश ने कहा कि अफगानों की वापसी अपनी इच्छा से, सुरक्षित तरीके से और सम्मान के साथ होनी चाहिए। उन्होंने बड़े स्तर पर मानवीय सहायता उपलब्ध कराने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि भारत आवास, भोजन और जरूरी सामान उपलब्ध कराने के लिए संयुक्त राष्ट्र और अफगान अधिकारियों के साथ सहयोग कर रहा है। भारत ने हाल ही में अफगान शरणार्थी और पुनर्वास मंत्रालय को परिवारों के लिए टेंट भी दिए थे। उन्होंने अफगानों के मामले में ऐसी स्थिति को चिंता का विषय बताया।

मक्का के पास हूतियों का ड्रोन आते ही मचा हड़कंप, सऊदी अरब ने हवा में किया ढेर; दिया बड़ा बयान

रियाद। सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन ने बुधवार को चेतावनी दी कि इस्लाम के 2 सबसे पवित्र स्थलों और वहां आने वाले जायरीनों की सुरक्षा उसके लिए 'रेड लाइन' है। यह बयान तब आया जब सऊदी एयर डिफेंस सिस्टम ने मक्का के दक्षिण में यमन के हूती विद्रोहियों की ओर से लॉन्च किए गए एक ड्रोन को हवा में ही रोककर नष्ट कर दिया। सऊदी गठबंधन के मुताबिक, ड्रोन को मंगलवार शाम मक्का अल-मुकर्रमा के प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने से पहले ही रोक लिया गया था। गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल-मलिकी ने इस घटना को 'दुश्मनी भरा और आतंकवादी कृत्य' बताया। उन्होंने ड्रोन लॉन्च करने वाले संगठन को 'आतंकवादी हूती मिलिशिया" बताया। अल-मलिकी ने कहा कि 2 पवित्र मस्जिदों और जायरीनों की सुरक्षा एक रेड लाइन है। उन्होंने आगे कहा कि गठबंधन की संयुक्त सेना की कमान हूती आंदोलन के खिलाफ 'जरूरी और निवारक कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगी।' सऊदी गठबंधन की यह चेतावनी ऐसे समय आई है, जब यमन में सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन और हूतियों के बीच आरोप-प्रत्यारोप और सैन्य तनाव बढ़ता जा रहा है। सऊदी गठबंधन ने कहा कि यह मक्का को निशाना बनाने की दूसरी कोशिश है। इसके लिए उसने 27 जुलाई 2017 की उस घटना का भी जिक्र किया, जिसमें मक्का की ओर एक बैलिस्टिक मिसाइल दागे जाने की बात कही गई थी। अल-मलिकी ने ताजा घटना पर कहा, 'उस मुकद्दस सरजमीन पर हमले की कोशिश हुई है, जहां से रब का पैगाम आया, जहां से हिदायत का संदेश दुनिया तक पहुंचा और जो दुनिया भर के करोड़ों मुसलमानों के दिलों का मरकज है।'

खेल समाचार

भारतीय डेविस कप टीम के कप्तान रोहित राजपाल का बड़ा बयान, बोले- साउथ कोरिया के घर में खेलना होगा बड़ी चुनौती

डेविस कप में 18 और 19 सितंबर को भारतीय टीम सियोल में डेविस कप वर्ल्ड ग्रुप क्वालिफायर राउंड 2 में साउथ कोरिया से भिड़ेगी। साउथ कोरिया के घर में भारतीय टीम को मेजबान की चुनौती से पार पाना होगा। इससे पहले भारतीय डेविस कप टीम के कप्तान रोहित राजपाल ने इंडिया टीवी के स्पोर्ट्स एडिटर समीप राजगुरु से बातचीत की, जिसमें उन्होंने डेविस कप में भारतीय टीम के मौके, चुनौतियों और भारतीय टेनिस के भविष्य पर विस्तार से चर्चा की। इस बातचीत में रोहित ने बताया कि भारतीय टीम इस समय डेविस कप में अच्छी स्थिति में है और टीम के पास आगे जाने का बेहतरीन मौका है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम लगभग 30 साल बाद ऐसी स्थिति में है जहां वह दुनिया की टॉप 16 टीमों के साथ वर्ल्ड फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की रेस में है। हम बहुत ज्यादा इसके बारे में नहीं सोच रहे हैं, क्योंकि आगे मुश्किल मैच है। डेविस कप में साउथ कोरिया से सामना होना है, जो एक बहुत अच्छी टीम है। अगर ये मैच भारत में होता, तो बहुच अच्छा होता। लेकिन अब हमें साउथ कोरिया में खेलना है, जोकि मुश्किल मैच होगा। अगर डबल्स में भारतीय खिलाड़ी पूरी क्षमता के साथ खेलते हैं, तो वह दुनिया की किसी भी टीम को हरा सकते हैं।

WPL ऑक्शन को लेकर बड़ा ऐलान, अगले महीने कोच्चि में लगेगी खिलाड़ियों पर बोली

वूमेंस प्रीमियर लीग के अगले सीजन की तैयारियां अब तेज हो गई हैं। खिलाड़ियों के रिटेंशन और रिलीज से लेकर ऑक्शन तक की तस्वीर धीरे-धीरे साफ होने लगी है। BCCI ने 16 सितंबर को WPL की पांचों फ्रेंचाइजियों को सीजन-5 के ऑक्शन की तारीख और वेन्यू की जानकारी दी है। खिलाड़ियों का ऑक्शन 28 अक्टूबर को कोच्चि में आयोजित होगा। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, BCCI ने बुधवार को सभी पांच टीमों को ऑक्शन से जुड़ी जानकारी औपचारिक रूप से साझा की। अब फ्रेंचाइजियों के पास अपनी टीम में बदलाव करने के लिए ज्यादा समय नहीं है। सभी टीमों को 28 सितंबर तक अपने खिलाड़ियों के रिटेंशन और रिलीज पर फैसला करना होगा। इससे पहले इंडियन प्रीमियर लीग यानी IPL के ऑक्शन को लेकर बड़ी खबर सामने आई। WPL के एक स्क्वाड में अधिकतम 18 खिलाड़ी हो सकते हैं। इनमें अधिकतम 6 विदेशी खिलाड़ियों को शामिल किया जा सकता है। मौजूदा चक्र के लिए टीमों की सैलरी कैप 15 करोड़ रुपये तय की गई है। ऐसे में ऑक्शन से पहले रिलीज और रिटेन किए जाने वाले खिलाड़ियों के फैसले पर सभी फ्रेंचाइजियों की नजर रहेगी। ऑक्शन की तारीख सामने आने के साथ ही अगले सीजन के वेन्यू को लेकर भी तस्वीर काफी हद तक साफ हो गई है। मौजूदा स्थिति में वहां लीग के मुकाबले होने की संभावना काफी कम है।

श्रेयस अय्यर सीरीज तो जीते, लेकिन फिर खुद ही बढ़ा रहे हैं टीम की टेंशन

श्रेयस अय्यर की कप्तानी में टीम इंडिया ने अफगानिस्तान से टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज जीत ली है। पहले दोनों मैच भारत ने सात विकेट जीते हैं। वैसे तो इस सीरीज की मेजबानी अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड कर रहा है, लेकिन फिर भी दिल्ली में मैच खेले जा रहे हैं, इसलिए कहा जाना चाहिए कि श्रेयस ने पहली बार भारत में सीरीज जीती है। इस बीच कप्तानी तो ठीक है, लेकिन खुद कप्तान श्रेयस का बल्ला पूरी तरह से खामोश है। उनसे रन नहीं बन रहे हैं। मौजूदा सीरीज से पहले जब वे जिम्बाब्वे सीरीज खेल रहे थे, तब भी रन नहीं बना पाए थे। अफगानिस्तान के खिलाफ खेली जा रही तीन टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज के पहले मैच में श्रेयस अय्यर बैटिंग के लिए आए और आठ रन बनाकर नाबाद रहे। इसके बाद दूसरे मैच में उन्होंने केवल 11 रन बनाए। हालांकि पहला मैच जहां एक ओर अभिषेक शर्मा की आक्रामक बल्लेबाजी के कारण जीत गए, वहीं दूसरे मैच में संजू सैमसन ने अर्धशतकीय पारी खेली और जीत दिला दी। लेकिन एक बल्लेबाज के तौर पर श्रेयस का कोई योगदान नहीं रहा। ऐसा नहीं है कि श्रेयस का बल्ला केवल इसी सीरीज में ना चल रहा हो।

इससे पहले जब जिम्बाब्वे से तीन मैचों की सीरीज खेली गई थी, तब भी कुछ ऐसा ही था। उस सीरीज के पहले मैच में श्रेयस 28 रन बनाकर नाबाद लौटे। दूसरे मैच में उन्होंने 25 रन बनाए और तीसरे मैच में केवल 27 रन बनाकर आउट हो गए। यानी पिछले पांच मैचों की ही बात करें तो उनके बैट से एक भी अर्धशतक नहीं आया है। अब सीरीज का तीसरा और आखिरी मैच बचा है, इसमें देखना होगा कि श्रेयस कुछ रन बनाते हैं कि नहीं। जीत तो अपनी जगह है, लेकिन उन्हें बल्लेबाज के तौर पर कुछ रन भी तो बनाने होंगे, जो अभी तक नहीं आए हैं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ ODI सीरीज से क्यों कटा श्रेयस अय्यर समेत इन खिलाड़ियों का पत्ता?

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) की पुरुष सीनियर चयन समिति ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 27 सितंबर से शुरू होने वाली तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। शुभमन गिल की अगुवाई में 15 सदस्यीय टीम में श्रेयस अय्यर समेत कई खिलाड़ियों को बाहर कर दिया गया है, जो इंग्लैंड के खिलाफ पिछली सीरीज खेले थे। जबकि कई प्लेयर्स की वापसी हुई है। इस स्क्वॉड में आकिब नबी और नमन धीर को भी शामिल किया गया है, जिन्हें डेब्यू का मौका मिल सकता है। सबसे बड़ा सवाल ये है कि आखिर स्टार पेसर जसप्रीत बुमराह, ईशान किशन और अय्यर जैसे खिलाड़ियों को क्यों बाहर किया गया है? भारत और वेस्टइंडीज के बीच वनडे सीरीज का आगाज 27 सितंबर से होगा और आखिरी यानी तीसरा वनडे 3 अक्टूबर को खेला जाएगा। ये एक घरेलू सीरीज होगी, जिसमें वेस्टइंडीज की टीम भारत के दौरे पर होगी। इसी बीच जापान में एशियन गेम्स 2026 भी होंगे। जहां टीम इंडिया अपना पहला मुकाबला 28 सितंबर को खेलेगी और टूर्नामेंट फाइनल 3 अक्टूबर को होगा। श्रेयस अय्यर, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, ईशान किशन और अर्शदीप सिंह को एशियन गेम्स के लिए चुना गया है, जो 18 सितंबर को जापान के लिए रवाना होंगे। इस वजह से इन प्लेयर्स को वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए नहीं चुना गया है। वहीं, चयनकर्ताओं ने प्रिंस यादव और हर्ष दुबे को टीम से बाहर कर दिया है। ये दोनों खिलाड़ी एशियन गेम्स स्क्वॉड में भी शामिल नहीं थे। एशियन गेम्स के चलते कई अहम प्लेयर्स के वेस्टइंडीज सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं होने के कारण टीम से बाहर चल रहे कुछ खिलाड़ी वापसी करने में सफल रहे हैं। इनमें रवींद्र जडेजा, रुतुराज गायकवाड़, नीतीश कुमार रेड्डी, यशस्वी जायसवाल, मोहम्मद सिराज और ध्रुव जुरेल शामिल हैं। इन्हें इंग्लैंड के खिलाफ पिछली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए टीम में जगह नहीं दी गई थी। वहीं, पंजाब के बल्लेबाज नमन धीर और जम्मू-कश्मीर के पेसर आकिब नबी को भी टीम में जगह दी गई है। शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, केएल राहुल, ईशान किशन (विकेटकीपर), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), अक्षर पटेल, गुरनूर बरार, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, हर्ष दुबे, प्रिंस यादव और जसप्रीत बुमराह।

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, रुतुराज गायकवाड़, ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, गुरनूर बरार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकिब नबी और नमन धीर। वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में टीम इंडिया के संयोजन पर भी खास नजर रहेगी। एशियन गेम्स के कारण कई नियमित खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में चयनकर्ताओं ने बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में विकल्प बढ़ाए हैं। रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव के अनुभव से स्पिन विभाग को मजबूती मिलेगी, जबकि मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी संभाल सकते हैं। बल्लेबाजी में यशस्वी जायसवाल और रुतुराज गायकवाड़ की वापसी से टीम के पास ओपनिंग के लिए अतिरिक्त विकल्प मौजूद हैं।

ईरानी कप के लिए रेस्ट ऑफ इंडिया टीम का हुआ ऐलान, ऋषभ पंत को मिली टीम की कप्तानी

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने ईरानी कप 2026-27 के लिए रेस्ट ऑफ इंडिया की टीम घोषित कर दी है। टीम की कमान भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को सौंपी गई है, जबकि सरफराज खान उप-कप्तान की भूमिका निभाएंगे। ईरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया का सामना रणजी ट्रॉफी 2025-26 की चैंपियन जम्मू-कश्मीर की टीम से होगा। यह मुकाबला 1 से 5 अक्टूबर तक श्रीनगर में खेला जाना है। इस बार ईरानी कप का आयोजन एशियन गेम्स 2026 और भारत की वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान हो रहा है। इस वजह से भारतीय क्रिकेट के कई प्रमुख खिलाड़ी इस मुकाबले में उपलब्ध नहीं होंगे। ऐसे में रेस्ट ऑफ इंडिया की टीम में युवा और घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मौका दिया गया है। ऋषभ पंत (कप्तान-विकेटकीपर), सनत सांगवान, शिखर मोहन, सुदीप घरामी, सरफराज खान (उप-कप्तान), स्मरण रविचंद्रन, मानव सुथार, सारांश जैन, आकाश दीप (फिटनेस पर निर्भर), मुकेश कुमार, मुकेश चौधरी, आर्यन जुयाल (विकेटकीपर), आर्यन पांडे, अनुकूल रॉय और आयुष दोसेजा। ऋषभ पंत को ईरानी कप के लिए रेस्ट ऑफ इंडिया टीम का कप्तान बनाए जाने का सीधा सा अर्थ है कि उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी तीन मैचों की वनडे सीरीज में जगह नहीं मिली है। वैसे, ऋषभ पंत अगस्त 2024 से ही भारतीय वनडे टीम से बाहर चल रहे हैं। उनकी जगह भारतीय वनडे टीम में केएल राहुल और ध्रुव जुरेल को शामिल किया गया है। हालांकि, अच्छी बात यह है कि रेड बॉल क्रिकेट में पंत को अभ्यास करने का मौका मिलेगा। बता दें कि भारत को अक्टूबर में न्यूजीलैंड के दौरे पर जाना है, जहां उसे मेजबान टीम के खिलाफ पांच वनडे और दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। भारतीय टीम का न्यूजीलैंड दौरा आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2027 की दौड़ में बने रहने के लिए महत्वपूर्ण है। ऐसे में ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ी का फिट रहना और फॉर्म में बने रहना भारत के लिए बेहद जरूरी है। ईरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया का नेतृत्व करना उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण होने वाला है।

पाकिस्तान हॉकी टीम का भारत आने से इनकार, AHF से की यह मांग

भारत और पाकिस्तान के बीच खेलों को लेकर एक बार स्थिति फिर उलझती नजर आ रही है। दरअसल, पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन (PHF) ने 2026 पुरुष एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के आयोजन स्थल को भारत से बाहर करने की मांग की है। इसके साथ ही पाकिस्तान ने अपने सभी मुकाबले तटस्थ स्थल पर कराने का विकल्प भी दिया है। PHF अध्यक्ष मोहिउद्दीन अहमद वानी ने इसकी पुष्टि की है। पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन ने यह भी स्पष्ट किया कि वह भारत समेत सभी टीमों के खिलाफ खेलने के लिए तैयार है। मोहिउद्दीन अहमद वानी ने कहा कि पाकिस्तान खेल को राजनीति से अलग रखने के सिद्धांत में विश्वास करता है। उन्होंने AHF से प्रस्ताव पर सकारात्मक विचार करने की अपील की है। PHF का कहना है कि तटस्थ स्थल पर मैच होने से पाकिस्तान टूर्नामेंट में पूरी तरह हिस्सा ले सकेगा। पंजाब को एशियन चैंपियन ट्रॉफी की मजेबानी मिली है। इस टूर्नामेंट का आयोजन 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक होना है।

टूर्नामेंट के लीग चरण के मुकाबले जालंधर में खेले जाएंगे, जबकि सेमीफाइनल और फाइनल के लिए मुकाबले मोहाली में होंगे। भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला 1 नवंबर को जालंधर में प्रस्तावित है। हाल ही में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी पुष्टि की थी कि पाकिस्तान टूर्नामेंट के लिए भारत आएगा। हा टूर्नामेंट में गत चैंपियन भारत के अलावा पाकिस्तान, मलेशिया, चीन, जापान और दक्षिण कोरिया के हिस्सा लेने की उम्मीद है। AHF के ताजा अनुरोध के बाद अनिश्चितता की स्थिति उत्पन्न हो गई है। लांकि एक रिपोर्ट में पाकिस्तान हॉकी महासंघ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के उस दावे को खारिज कर दिया था, जिसमें कहा गया था कि पाकिस्तान की टीम ने एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में अपनी भागीदारी की पुष्टि कर दी है।

पाकिस्तान की नौटंकी फिर शुरू, भारत में खेलने से किया इनकार, न्यूट्रल वेन्यू की रखी मांग

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच एक बार फिर मैदान के बाहर स्थिति गर्म होती दिख रही है। पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन ने एशियन हॉकी फेडरेशन से टूर्नामेंट के मुकाबले भारत से बाहर किसी न्यूट्रल वेन्यू पर कराने की मांग की है। पाकिस्तान ने भारत की यात्रा करने से इनकार करते हुए मौजूदा द्विपक्षीय परिस्थितियों और सुरक्षा स्थिति का हवाला दिया है। हालांकि, हॉकी इंडिया ने साफ कर दिया है कि वेन्यू में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। मेन्स एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन 27 अक्टूबर से 5 नवंबर के बीच पंजाब के मोहाली और जालंधर में होना है। टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान समेत 6 टीमें हैं। अन्य टीमों में बांग्लादेश, ओमान, चीन, जापान और कोरिया शामिल हैं। PTI की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन के अंतरिम अध्यक्ष मोहिउद्दीन अहमद वानी ने बुधवार को बयान जारी कर एशियन हॉकी फेडरेशन से टूर्नामेंट को पूरी तरह न्यूट्रल वेन्यू पर स्थानांतरित करने या कम से कम पाकिस्तान के सभी मुकाबले किसी न्यूट्रल वेन्यू पर कराने का अनुरोध किया। वानी ने कहा कि यह फैसला भारत और पाकिस्तान के बीच मौजूदा संवेदनशील द्विपक्षीय परिस्थितियों और सुरक्षा हालात को देखते हुए लिया गया है।

ऐतिहासिक T20I मैच से पहले टीम इंडिया ने जापानी राजदूत से की खास मुलाकात, सामने आई तस्वीरें

भारत और जापान के क्रिकेट रिश्ते एक नए मुकाम की ओर बढ़ रहे हैं। दोनों देशों की मेन्स क्रिकेट टीमें पहली बार T20 इंटरनेशनल में आमने-सामने आने वाली हैं और इस ऐतिहासिक मुकाबले से पहले टीम इंडिया की जापान के राजदूत से खास मुलाकात हुई। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुवाई में टीम के सदस्यों ने बुधवार को भारत में जापान के राजदूत ओनो केइची से मुलाकात की। नई दिल्ली में हुई इस मुलाकात के दौरान जापानी राजदूत ने BCCI प्रेसिडेंट मिथुन मनहास और भारतीय टीम को जापान का पारंपरिक गुडलक प्रतीक दारुमा भेंट किया।

इस मुलाकात को दोनों देशों के बीच बढ़ते खेल संबंधों के लिहाज से खास माना जा रहा है। यह मुलाकात उस ऐतिहासिक मुकाबले से कुछ दिन पहले हुई है, जिसमें भारत और जापान पहली बार मेन्स T20 इंटरनेशनल में एक-दूसरे के खिलाफ उतरेंगे। दोनों टीमें 22 सितंबर को तोचिगी प्रीफेक्चर के सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर सुजुकी कप के मुकाबले में आमने-सामने होंगी।

BCCI प्रेसिडेंट मिथुन मनहास ने मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करते हुए इसे क्रिकेट के लिए खास अवसर बताया। उन्होंने कहा कि जापान में क्रिकेट एक नए दर्शक वर्ग तक पहुंच रहा है और यह खेल को नए क्षेत्रों में ले जाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मनहास ने भारत और जापान के बीच खेल संबंधों को और मजबूत करने की बात कही। उन्होंने यह भी कहा कि ऐतिहासिक मुकाबले और आगामी एशियन गेम्स को लेकर उत्साह लगातार बढ़ रहा है। जापानी राजदूत ओनो केइची ने भी इस मुलाकात की तस्वीरें शेयर कीं। उन्होंने भारतीय टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर और BCCI प्रेसिडेंट मिथुन मनहास से मुलाकात पर खुशी जताई। उन्होंने भारत-जापान के बीच होने वाले इस खास मुकाबले को दोनों देशों के राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ से जोड़ते हुए टीम इंडिया को आगामी एशियन गेम्स के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने एक्स पर लिखा- दोस्ती की नई पारी। BCCI के प्रेसिडेंट मिथुन मनहास और कैप्टन श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली टीम इंडिया से मिलकर बहुत खुशी हुई। 20वें एशियन गेम्स के लिए शुभकामनाएं। सुजुकी कप को स्पोर्ट 75 पहल के तहत आयोजित किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य भारत और जापान के बीच खेलों के आदान-प्रदान और सहयोग को बढ़ावा देना है। मुकाबले की खास बात सिर्फ दोनों टीमों की पहली भिड़ंत नहीं है।

टीम इंडिया को लगा तगड़ा झटका, वरुण चक्रवर्ती एशियन गेम्स से बाहर; विप्रज निगम को मिला मौका

एशियन गेम्स 2026 का आयोजन जापान के आइची और नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक किया जाएगा। इस आयोजन से पहले भारतीय क्रिकेट टीम को तगड़ा झटका लगा है। दरअसल, चोट की वजह से वरुण चक्रवर्ती एशियन गेम्स के लिए चयनित भारतीय टी-20 टीम से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह लेग स्पिन गेंदबाजी करने वाले ऑलराउंडर विप्रज निगम को टीम में शामिल किया गया है।

विप्रज निगम ने अभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू नहीं किया है। आपको बता दें कि वरुण चक्रवर्ती

अफगानिस्तान के खिलाफ टी-20 सीरीज के पहले मैच के दौरान चोटिल हो गए थे।

बीसीसीआई ने वरुण चक्रवर्ती की चोट की पुष्टि की थी, लेकिन उस समय एशियन गेम्स के लिए उनकी उपलब्धता को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं की गई थी। विप्रज निगम मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बाराबंकी के रहने वाले हैं। वह दाएं हाथ के बल्लेबाज और लेग स्पिन गेंदबाज हैं।

उन्होंने घरेलू क्रिकेट में ऑलराउंडर के तौर पर अपनी उपयोगिता साबित की है। विप्रज निगम ने बाराबंकी से क्रिकेट की शुरुआत की।

लौकी का जूस आपको कर सकता है बीमार, सर्टिफाइड न्यूट्रिशनिस्ट ने बताया जूस पीने से पहले किन बातों का ध्यान रखना है ज़रूरी?

लौकी की सब्जी सबसे हेल्दी सब्जियों में से एक मानी जाती है। इसमें लगभग 96% पानी और भरपूर मात्रा में फाइबर, विटामिन सी और पोटेशियम होता है इसलिए इसे सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। इसका सेवन करने से पाचन बेहतर होता है साथ ही यह वेट लॉस में भी कारगर है। लौकी के जूस को बेहतरीन डिटॉक्सीफायर में एक गिना जाता है क्योंकि यह शरीर से हानिकारक टॉक्सिन्स को बाहर निकालने और लिवर किडनी की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने में मदद करता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि लौकी का जूस पीते समय कुछ बातों का ध्यान नहीं रखेंगे तो फायदे की जगह नुकसान हो सकता है। सर्टिफाइड न्यूट्रिशनिस्ट और वेट लॉस स्पेशलिस्ट लीमा महाजन के मुताबिक, लौकी का जूस पीने से पहले कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। आइए जानते हैं जूस बनाते और पीते समय किन सावधानियों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। लीमा महाजन कहती हैं कि दरअसल, लौकी कुकुरबिटासीन (Cucurbitacin) नामक केमिकल रिलीज करती है जो सेहत के लिए नुकसानदायक होती है। लौकी में यह केमिकल आपकी सेहत पर बुरा असर डालती है। अगर आपने इस तरह के लौकी का सेवन किया तो उल्टी हो सकती है और आपका बीपी एकदम लो हो सकता है जो आपको हॉस्पिटल पहुंचा सकता है। इंडियन काउंसिल ऑफ़ मेडिकल रिसर्च भी कहता है कि लौकी का जूस या सब्जी बनाने से पहले आपको एक छोटा सा टेस्ट करना चाहिए ताकि यह पता चले सके कि लौकी का सेवन करना है या नहीं। लौकी को काटकर उसे खाएं। अगर लौकी कड़वी है तो भूलकर भी उसका इस्तेमाल न करें। दरअसल, कड़वी लौकी में कुकुरबिटासीन केमिकल होता है जो आपके शरीर में गंभीर जहर को फैला सकता है। सब्जी बनाने के बाद भी यह केमिकल खत्म नहीं होता है। इसलिए इसका सेवन न करें। लौकी का जूस पीने वालों के लिए सबसे जरूरी सावधानी यही है कि जूस बनाने से पहले लौकी का स्वाद जरूर जांच लें। लौकी का एक छोटा टुकड़ा काटकर चखें। अगर उसमें किसी भी तरह की कड़वाहट महसूस हो तो उसे जूस या सब्जी के लिए इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। ऐसी स्थिति में तुरंत चिकित्सकीय सहायता लेना जरूरी है।

डॉक्टर ने बताया अजवाइन का पानी पीने से मिल सकते हैं कौन से फायदे

आजवाइन एक ऐसा मसाला है जो हर भारतीय किचन में पाया जाता है। इसका इस्तेमाल दाल से लेकर सब्जी के स्वाद को बढ़ाने के लिए किया जाता है। लेकिन इसमें ऐसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं जो सेहत के लिए फायदेमंद हो सकते हैं। तो, अगर आप अपने दिन की शुरुआत अजवाइन पानी से करते हैं तो आपकी सेहत के लिए एक हेल्दी आदत हो सकती है। डॉक्टर सलीम जैदी कहते हैं कि अजवायन में कई ऐसे पोषक तत्व और प्राकृतिक कंपाउंड पाए जाते हैं, जो सिर्फ पेट के लिए ही नहीं बल्कि आपकी ओवरऑल हेल्थ के लिए फायदेमंद हो सकती है। तो चलिए जानते हैं अजवाइन का पानी पीने से क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं और इसका सेवन कैसे करना चाहिए। पाचन करता है बेहतरः अजवाइन में थाइमोल जैसे कम्पाउंड पाए जाते हैं जो आपके गैस्ट्रिक जुसेस को स्टेम्यूलेट कर के पाचन को बेहतर करता है। इसमें प्राकृतिक एंटासिड गुण होते हैं जो पेट की जलन और अम्लता को शांत करते हैं। तो अगर आपको पेट और पाचन से जुड़ी परेशानी जैसे- एसिडिटी, गैस, ब्लोटिंग और अपच की दिक्कत होती है तो आप अजवायन के पानी को अपनी डाइट में ज़रूर शामिल करें।
सर्दी-खांसी में फायदेमंदः अगर आपको गले में खराश या खांसी की समस्या है तो अजवाइन का पानी आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। इसका एंटीबैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण सर्दी खांसी जैसी समस्याओं को कंट्रोल करने में मददगरा है।
वजन कंट्रोल करने में फायदेमंदः अजवाइन का पानी वजन कंट्रोल करने में भी बेहद फायदेमंद है। यह आपके स्लो मेटाबॉल्ज़िम को फ़ास्ट करता है और फ़ूड क्रेविंग को कंट्रोल करने में मददगार है।

साइलेंट किलर हो सकते हैं ब्लड प्रेशर और आर्टरीज से जुड़े ये बदलाव, महिलाएं भूलकर भी न करें इग्नोर

हाई ब्लड प्रेशर और धमनियों का सख्त होना एक ऐसा "साइलेंट किलर" है, जो शरीर के अंदर बिना किसी बड़े लक्षण के सालों तक पनपता रहता है। महिलाओं में विशेष रूप से हॉरमोनल बदलावों के कारण यह समस्या ज्यादा गंभीर रूप ले सकती है। मिड लाइफ यानी 30 से 40 की उम्र के बीच का समय, महिलाओं के हार्ट हेल्थ के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है। अक्सर इस उम्र में महिलाओं में ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल और बढ़ते वजन जैसी समस्याएं होती है। इस उम्र में ही लक्षण भी दिखाई देते हैं। लेकिन हार्ट और ब्लड वेसल्स में होने वाले कुछ बदलाव इससे काफी पहले शुरू हो सकते हैं और लंबे समय तक बिना किसी लक्षण के रह सकते हैं। ऐसे में डॉक्टर जगदीप यादव निदेशक-कार्डियोलॉजी, फोर्टिस हॉस्पिटल मानेसा बता रहे हैं कि महिलाओं में क्यों होती है ये समस्या। उम्र बढ़ने के साथ हमारी आर्टरी धीरे-धीरे अपनी लचक खोने लगती हैं। इसे आर्टरी स्टिफनेस या धमनियों का कठोर होना कहा जाता है। जब आर्टरी कम लचीली होती हैं, तो हार्ट द्वारा पंप किए गए ब्लड के दबाव को संभालना उनके लिए मुश्किल हो सकता है। इसका असर पल्स प्रेशर पर भी पड़ सकता है। पल्स प्रेशर, सिस्टोलिक और डायस्टोलिक ब्लड प्रेशर के बीच का अंतर होता है। इसलिए केवल यह देखना पर्याप्त नहीं है कि किसी व्यक्ति का ब्लड प्रेशर सामान्य है या नहीं, बल्कि समय के साथ उसमें होने वाले बदलावों को समझना भी जरूरी है। महिलाओं में मिडलाइफ के दौरान होने वाले हार्मोनल बदलाव भी हार्ट और ब्लड वेसल्स के हेल्थ को प्रभावित कर सकते हैं। खासकर पेरिमेनोपॉज और मेनोपॉज के आसपास वजन बढ़ना, नींद में बदलाव, तनाव, शारीरिक गतिविधि में कमी और मेटाबॉलिक बदलाव जैसे कई कारक एक साथ सामने आ सकते हैं। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि हर महिला में हार्ट से जुड़ा जोखिम एक ही उम्र या एक ही तरीके से बढ़ता है। एक कार्डियोलॉजिस्ट के तौर पर मैं महिलाओं को सलाह दूंगा कि वे अपने 30s और 40s में ही नियमित स्वास्थ्य जांच को प्राथमिकता दें। ब्लड प्रेशर के साथ-साथ कोलेस्ट्रॉल, ब्लड शुगर, वजन, कमर, शारीरिक गतिविधि और इस बात का खास ध्यान रखें कि अगर परिवार में किसी को हार्ट से जुड़ी बीमारी है तो चेकअप जरूर करवाएं।

जानिए क्या सच में किसी काम आती है अकल दाढ़ और कब इसे निकालना बेहतर है?

अकल दाढ़ हमारे जबड़े के सबसे पीछे निकलने वाले 4 दांत को कहा जाता है, जिन्हें मेडिकल भाषा में 'थर्ड मोलर्स' भी कहते हैं। आमतौर पर ये 17 से 25 साल की उम्र में निकलते हैं। इस दांत का इस्तेमाल सखत खाने को चबाकर खाने के लिए किया जाता है। लेकिन वक्त के साथ इंसानों के खान-पान में बदलाव आया। पका हुआ और नरम भोजन खाने से हमारे जबड़े का आकार छोटा होता चला गया। आज के समय में अकल दाढ़ हमारे शरीर के लिए एक 'अवशेषी अंग' बन चुकी है, यानी इसके बिना भी हमारे चबाने या पाचन की प्रक्रिया पर कोई फर्क नहीं पड़ता। लेकिन सवाल ये है कि इसका काम क्या है और इसे कब निकलवाना चाहिए। डॉ. रितिका मल्होत्रा, एचओडी-डेंटल साइंसेज, एफएमआरआई, गुड़गांव बता रही हैं कब निकलवाना चाहिए अकल दाढ़। हर अकल दाढ़ को निकलवाना जरूरी नहीं होता। यदि दाढ़ पूरी तरह सीधी निकली हो, उसके आसपास जबड़े में पर्याप्त जगह हो, वह आसानी से साफ हो रही हो और उसमें कैविटी या मसूड़ों से जुड़ी कोई समस्या न हो, तो उसे निकलवाने की जरूरत नहीं। ऐसी दाढ़ लंबे समय तक स्वस्थ रह सकती है। समस्या आमतौर पर तब होती है, जब जबड़े में पर्याप्त जगह न होने के कारण अकल दाढ़ आधी निकले, टेढ़ी निकले या हड्डी अथवा मसूड़े में फंसी रह जाए। ऐसी स्थिति में दाढ़ के आसपास भोजन फंस सकता है, जिससे बार-बार मसूड़ों में सूजन और दर्द हो सकता है। इसके अलावा कैविटी, मुंह खोलने में परेशानी, बदबू, आस पास के दाढ़ को नुकसान और कभी-कभी सिस्ट जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। यदि अकल दाढ़ में बार-बार दर्द या संक्रमण हो रहा हो, उसमें गंभीर कैविटी हो, वह पड़ोसी दांत को नुकसान पहुंचा रही हो या उसकी स्थिति ऐसी हो कि भविष्य में समस्या होने की आशंका अधिक हो, तो उसे निकलवाना बेहतर ऑप्शन हो सकता है। हालांकि, केवल इस आशंका के आधार पर कि अकल दाढ़ आगे चलकर समस्या पैदा कर सकती है, हर व्यक्ति में उसे पहले से निकलवाना उचित नहीं है। दाढ़ की स्थिति डेंटल जांच और जरूरत पड़ने पर OPG एक्स-रे के आधार पर किया जाना चाहिए।

US फेडरल रिजर्व का बड़ा फैसला, ब्याज दरों में 0.25% की बढ़ोतरी; 2023 के बाद पहली बार बढ़ी दरें

अमेरिकी अर्थव्यवस्था और दुनिया के वित्तीय बाजारों के लिए बुधवार देर रात को बड़ा फैसला आया है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में 0.25 फीसदी की बढ़ोतरी कर दी है। 2023 के बाद यह पहली बार है जब फेड ने दरों में इजाफा किया है। महंगाई के लगातार ऊंचे स्तर को देखते हुए फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (FOMC) ने यह फैसला लिया। अब अमेरिका में फेडरल फंड्स रेट बढ़कर 3.75% से 4% के दायरे में पहुंच गई है। फेड के सामने सबसे बड़ी चुनौती अभी भी महंगाई है। अगस्त में अमेरिका की उपभोक्ता महंगाई दर 3.4 फीसदी रही, जो जुलाई के बराबर है। हालांकि इसमें कोई बढ़ोतरी नहीं हुई, लेकिन यह फेड के 2 फीसदी के लक्ष्य से काफी ऊपर बनी हुई है। फेड ने अपने बयान में कहा कि आर्थिक गतिविधियां मजबूत गति से बढ़ रही हैं। घरेलू खर्च भी मजबूत बना हुआ है, जबकि प्रोडक्टिविटी और कैपिटल इन्वेस्टमेंट में भी मजबूती देखी जा रही है। ऐसे में महंगाई को कंट्रोल करने के लिए केंद्रीय बैंक ने ब्याज दर बढ़ाने का फैसला किया। अमेरिका में महंगाई पर कई कारणों का असर देखने को मिल रहा है। मध्य पूर्व में बढ़े तनाव के कारण ऊर्जा कीमतों में तेजी आई है। इसके अलावा अमेरिकी टैरिफ नीतियों और मजबूत मांग ने भी कीमतों पर दबाव बढ़ाया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी AI से जुड़े निवेश और उससे पैदा हुई मजबूत मांग को भी महंगाई के दबाव के एक कारण के तौर पर देखा जा रहा है। इससे फेड के सामने महंगाई को 2 फीसदी के लक्ष्य तक लाने की चुनौती बनी हुई है।

UPI ट्रांजैक्शन पर लगने वाले MDR चार्ज का फैसला नहीं होगा वापस

2,000 से ज्यादा के यूपीआई मर्चेंट पेमेंट्स पर 0.4% मर्चेंट डिस्काउंट रेट (MDR) लागू करने के फैसले पर सरकार ने अपना रुख पूरी तरह सख्त कर लिया है। व्यापारियों, दुकानदारों और राजनीतिक दलों के भारी विरोध के बावजूद, सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि इस नीतिगत फैसले को वापस लेने या इस पर पुनर्विचार करने का कोई सवाल ही नहीं उठता। बुधवार को एक शीर्ष सरकारी अधिकारी से जब पूछा गया कि क्या सरकार 2000 से ऊपर के मर्चेंट पेमेंट्स पर प्रस्तावित MDR चार्ज को वापस लेने पर विचार कर रही है, तो उन्होंने दो-टूक जवाब दिया। अधिकारी ने कहा कि यह निर्णय पूरे यूपीआई इकोसिस्टम के व्यापक हित में लिया गया है और इसे बदलने की कोई संभावना नहीं है। विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस, द्वारा लगाए गए अमेरिकी दबाव के आरोपों को खारिज करते हुए सरकार ने कहा कि नए MDR फ्रेमवर्क से यूपीआई आत्मनिर्भर, वित्तीय रूप से मजबूत और तकनीकी रूप से अधिक सुरक्षित बनेगा। वित्त संबंधी संसद की स्थायी समिति (32वीं रिपोर्ट) ने चेतावनी दी थी कि जीरो-MDR व्यवस्था से सरकारी खजाने पर भारी दबाव पड़ रहा है।

मेगा IPO से पहले ₹6746 करोड़ जुटाने में NSE कामयाब, LIC और गोल्डमैन सैक्स समेत इन बड़े निवेशकों ने लगाया पैसा

भारतीय शेयर बाजार में लंबे समय से इंतजार किए जा रहे NSE के मेगा IPO से पहले बड़ा अपडेट सामने आया है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) ने एंकर निवेशकों से 6746 करोड़ जुटा लिए हैं। इस एंकर राउंड में देश-विदेश के कई बड़े संस्थागत निवेशकों ने NSE के शेयर खरीदे हैं। इनमें LIC, गोल्डमैन सैक्स, फिडेलिटी, GIC सिंगापुर, ADIA और नॉर्जेस बैंक जैसे बड़े नाम शामिल हैं। BSE पर जारी सर्कुलर के मुताबिक NSE ने करीब 3.77 करोड़ शेयर 150 एंकर निवेशकों को आवंटित किए हैं। इन शेयरों का भाव 1,785 प्रति शेयर रखा गया, जो NSE के आईपीओ प्राइस बैंड की ऊपरी सीमा है। इस तरह एंकर राउंड का कुल आकार करीब 6,746.2 करोड़ रहा। इसमें विदेशी संस्थागत निवेशकों (FPI) की हिस्सेदारी करीब 43 फीसदी रही। विदेशी निवेशकों ने लगभग 2,883 करोड़ लगाए। अमेरिका, यूरोप और एशिया के 20 से ज्यादा विदेशी लॉन्ग-ओनली फंड ने इस राउंड में हिस्सा लिया। NSE के एंकर राउंड में घरेलू संस्थागत निवेशकों की भागीदारी भी मजबूत रही। 25 से ज्यादा बड़े म्यूचुअल फंड और 11 प्रमुख बीमा एवं पेंशन कंपनियों ने मिलकर करीब 3,588 करोड़ का निवेश किया। यह एंकर बुक का लगभग 53 फीसदी है। इसमें ICICI प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड, HDFC म्यूचुअल फंड, निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड, एक्सिस म्यूचुअल फंड, कोटक म्यूचुअल फंड, UTI म्यूचुअल फंड और टाटा म्यूचुअल फंड जैसे बड़े फंड शामिल रहे।

Adidas में बड़ी छंटनी से हड़कंप, गुड़गांव ऑफिस के 50% स्टाफ की कर दी छुट्टी

दिग्गज स्पोर्ट्सवियर कंपनी एडिडास (Adidas) के भारत स्थित टेक ऑपरेशन में बड़े पैमाने पर छंटनी की खबर सामने आई है। कंपनी के गुरुग्राम स्थित इंडिया टेक हब में करीब 700 कर्मचारियों का स्टाफ है। लोगों के मुताबिक, इनमें से 45 से 50 प्रतिशत कर्मचारियों पर छंटनी की मार पड़ी है। हालांकि प्रभावित कर्मचारियों की सही संख्या की पुष्टि नहीं हुई है और एडिडास ने भी छंटनी का आंकड़ा सार्वजनिक नहीं किया है।
Wocult को दिए एक बयान में एडीडास ने कहा है कि उसने भारत में अपने टेक्नोलॉजी विभाग में कई पदों को कम करने का मुश्किल फैसला लिया है। बताया जा रहा है कि कर्मचारियों को 15 सितंबर को हुई टाउन हॉल मीटिंग में छंटनी की जानकारी दी गई।
प्रभावित कर्मचारियों में सॉफ्टवेयर इंजीनियर, डेटा साइंटिस्ट और डेटा इंजीनियर समेत टेक्नोलॉजी से जुड़े कई कर्मचारी शामिल बताए जा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, प्रभावित कर्मचारियों को दो ग्रुप में बांटा गया है। एक ग्रुप को 15 सितंबर को ही एग्जिट लेटर दे दिया गया। वहीं दूसरे ग्रुप को कुछ समय तक काम जारी रखने के लिए कहा गया है।

₹2000 से ऊपर के UPI ट्रांजेक्शन पर MDR चार्ज क्यों?

वित्त मंत्रालय ने कहा कि 2016 में लॉन्च होने के बाद से UPI दुनिया का सबसे बड़ा रियल-टाइम पेमेंट सिस्टम बन चुका है और यह पूरी तरह से भारत की अपनी शर्तों पर विकसित हुआ है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि अगस्त 2026 में अकेले UPI के जरिए 2450 करोड़ (24.5 बिलियन) ट्रांजैक्शंस दर्ज किए गए। इतने विशाल नेटवर्क को सुरक्षित, साइबर फ्रॉड से मुक्त और तकनीकी रूप से अपडेट रखने के लिए फंड की आवश्यकता होती है। यह निर्णय डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और छोटे शहरों (Tier III-VI) में मर्चेंट्स को जोड़ने के उद्देश्य से लिया गया है। 15 अक्टूबर 2026 से 2,000 से ज्यादा के सामान्य मर्चेंट पेमेंट पर 0.4% MDR लागू होगा। लेकिन यह शुल्क ग्राहक से लेने के लिए नहीं है। इसे मर्चेंट की ओर से भुगतान किया जाएगा और 75,000 या उससे ज्यादा के ट्रांजेक्शन पर इसकी अधिकतम सीमा 300 होगी। रेलवे, टेलीकॉम, फ्यूल और इंश्योरेंस जैसे जरूरी सेक्टरों में 2,000 से ऊपर के पेमेंट पर फ्लैट 5 MDR लगेगा। वहीं म्यूचुअल फंड और स्टॉकब्रोकिंग जैसे कैपिटल मार्केट पेमेंट पर 0.02% MDR होगा, जिसकी अधिकतम सीमा 300 है। छोटे मर्चेंट, जो UPI QR के जरिए महीने में 1 लाख तक कलेक्शन करते हैं, नए MDR स्ट्रक्चर से बाहर रहेंगे।

एयर इंडिया की कमाई को लगी बड़ी चपत, एक ही साल में घाटा दोगुना बढ़कर हुआ ₹22,238 करोड़

एयर इंडिया के लिए वित्त वर्ष 2025-26 आर्थिक मोर्चे पर मुश्किल भरा रहा। कंपनी का घाटा एक साल में करीब दोगुना हो गया, जबकि कुल आय में भी गिरावट दर्ज की गई। रेगुलेटरी फाइलिंग के मुताबिक, एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस को मिलाकर कंपनी का कंसोलिडेटेड घाटा 22,238.23 करोड़ पहुंच गया, जो एक साल पहले 10,858.83 करोड़ था। वित्त वर्ष 2025-26 में एयर इंडिया की कुल आय घटकर 71,869.94 करोड़ रह गई। वित्त वर्ष 2024-25 में यह आंकड़ा 78,635.61 करोड़ था। यानी एक साल में कंपनी की कुल आय में करीब 6,766 करोड़ की कमी आई। वहीं, कंपनी का कुल खर्च बढ़कर 93,733.31 करोड़ हो गया, जबकि एक साल पहले यह 89,317.12 करोड़ था। बढ़ते खर्च और घटती आय ने कंपनी के घाटे को और बढ़ा दिया। एयर इंडिया को इस दौरान कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। जून 2025 में हुए AI171 विमान हादसे में 260 लोगों की जान गई थी। इसके अलावा भू-राजनीतिक तनाव, एयरस्पेस बंद होना, ईंधन की कीमतों में उतार-चढ़ाव और ऑपरेशनल समस्याओं ने भी एयरलाइन के कारोबार को प्रभावित किया। कंपनी का विमान मरम्मत और रखरखाव खर्च बढ़कर 14,976.45 करोड़ हो गया, जो पिछले साल 13,901.82 करोड़ था। वित्त वर्ष में एयर इंडिया का ईंधन खर्च घटकर 26,871.80 करोड़ रहा, जबकि पिछले साल यह 29,023.37 करोड़ था। हालांकि, विदेशी मुद्रा से जुड़ा नुकसान काफी बढ़ गया।
यह नुकसान 7,388.23 करोड़ पहुंच गया, जो एक साल पहले सिर्फ 1,545.01 करोड़ था। केवल एयर इंडिया की बात करें तो उसका स्टैंडअलोन घाटा वित्त वर्ष 2025-26 में 15,367.75 करोड़ रहा, जबकि पिछले साल यह 3,975.75 करोड़ था। स्टैंडअलोन आधार पर कुल आय भी घटकर 53,662.15 करोड़ रह गई। कंपनी के मुताबिक AI171 हादसे से जुड़े विमान और अन्य खर्चों के लिए इंश्योरेंस कवर मौजूद है। कंपनी ने बताया कि विमान के नुकसान और संबंधित खर्चों के लिए बीमा राशि प्राप्त हो चुकी है। टाटा समूह के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन के अनुसार, एयर इंडिया का बदलाव एक लंबी प्रक्रिया है और इसे 5 से 10 साल की यात्रा के तौर पर देखा जाना चाहिए। कंपनी को पुराने सिस्टम, बेड़े और संचालन व्यवस्था में बड़े बदलाव करने हैं। एयर इंडिया के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती लागत को नियंत्रित करते हुए परिचालन क्षमता और यात्री सेवाओं में सुधार करना है। कंपनी के लिए विमान रखरखाव और विदेशी मुद्रा से जुड़े खर्च भी अहम मुद्दे बने हुए हैं।

दिल्ली-NCR वालों संभलकर! आज आंधी-बारिश से बढ़ेंगी मुश्किलें

अगर आप आज घर से निकलने का प्लान बना रहे हैं तो पहले मौसम का हाल जरूर जान लीजिए। 17 सितंबर को देश के 13 राज्यों में मौसम का मिजाज बिगड़ने वाला है। मौसम विभाग ने कई इलाकों में तेज बारिश के साथ आंधी का अलर्ट जारी किया है।

कुछ जगहों पर हवा की रफ्तार 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। यानी बारिश के साथ तेज हवाएं भी मुश्किल बढ़ा सकती हैं। सबसे ज्यादा असर पूर्वी भारत में देखने को मिल सकता है। पश्चिम बंगाल और ओडिशा में आज कुछ इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश का अंदेशा है। इसके बाद अगले तीन दिनों तक पूर्वी भारत के कई हिस्सों में बारिश का सिलसिला जारी रहने की संभावना है। उत्तर प्रदेश में गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, मेरठ, आगरा, वाराणसी, प्रयागराज, अयोध्या, गोरखपुर, मिर्जापुर और सोनभद्र समेत कई जिलों में तेज बारिश और आंधी की चेतावनी है। कुछ इलाकों में हवाएं 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती हैं। दिल्ली में आज बारिश के साथ 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है।

50 लाख की घूस लेते रंगे हाथ पकड़े गए तहसीलदार साहब, दो किस्तों में मांगी थी 1 करोड़ की रिश्वत और 1 एकड़ जमीन

कर्नाटक में कथित रूप से अब तक का सबसे बड़ा घूसखोरी का मामला कहे जाने वाले ऑपरेशन में, लोकायुक्त अधिकारियों ने बीते बुधवार की देर शाम धारवाड़ के तहसीलदार को 50 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। जानें ये पूरा मामला क्या है। लोकायुक्त के सूत्रों ने बताया कि तहसीलदार सच्चिदानंद ने धारवाड़ से 12 किलोमीटर दूर और पुणे-बेंगलुरु हाईवे से सटे येरिकोप्पा गांव में 33 एकड़ जमीन के मालिकाना हक के कागजात बदलने के लिए 50-50 लाख रुपये की दो किश्तों में कुल 1 करोड़ रुपये और 1 एकड़ जमीन की मांग की थी। शिकायतकर्ता, जिसकी पहचान उजागर नहीं की गई है, ने लोकायुक्त के पास शिकायत दर्ज कराई और उनके निर्देश पर आरोपी अधिकारी के KCD के पास 50 लाख रुपये की रिश्वत की रकम लेने के लिए कहा। बुधवार देर रात चलाए गए इस ऑपरेशन में, अधिकारियों ने तहसीलदार सच्चिदानंद कुचनूर को रात करीब 10 बजे धारवाड़ के कर्नाटक कॉलेज के सामने एक जमीन मालिक से रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। इस मामले में आगे की जांच जारी है। लोकायुक्त अफसरों ने घूस की रकम सीज करने के साथ ही तहसीलदार के विरुद्ध भ्रष्टाचार का मामला दर्ज कर लिया है। अब तहसीलदार की जमीन के दस्तावेजों, रिश्वत की कथित डिमांड और इस केस में अन्य लोगों की संभावित भूमिका की पड़ताल की जा रही है। इससे पहले हाल ही में राजस्थान के भरतपुर में घूसखोर असिस्टेंट इंजीनियर के घर एसीबी ने छापा मारा था। तब असिस्टेंट इंजीनियर के घर से नोटों का अंबार और चांदी की ईंटें बरामद की गई थीं। ACB ने 43.38 लाख कैश और 20 किलोग्राम चांदी की ईंटें रिकवर की थीं। भुसावर पंचायत समिति में 30 हजार रुपये की घूस लेते रंगे हाथों अरेस्ट किया गया था। ACB डीजी गोविंद गुप्ता के मुताबिक, भरतपुर थाने को शिकायत मिली थी कि असिस्टेंट इंजीनियर, ठेकेदार से घूस की डिमांड कर

रहा है। ठेकेदार का आरोप था कि बिल पास करने के बदले में असिस्टेंट इंजीनियर घूस मांग रहा था। लोकायुक्त की कार्रवाई के बाद धारवाड़ तहसीलदार से जुड़े मामले में अब जांच का दायरा बढ़ाया जा रहा है। अधिकारियों की नजर इस बात पर है कि जमीन के मालिकाना हक से जुड़े दस्तावेजों में बदलाव की प्रक्रिया में किन-किन स्तरों पर कार्रवाई होनी थी और कथित रिश्वत की मांग किस आधार पर की गई थी। जांच के दौरान संबंधित राजस्व रिकॉर्ड और दस्तावेजों की भी पड़ताल की जा सकती है। शिकायतकर्ता की ओर से दी गई जानकारी और लोकायुक्त की कार्रवाई के आधार पर कथित रिश्वत की रकम जब्त कर ली गई है। जांच एजेंसी अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि 1 करोड़ रुपये और जमीन की कथित मांग में किसी अन्य व्यक्ति या अधिकारी की भूमिका थी या नहीं। इसके लिए मामले से जुड़े लोगों से पूछताछ और उपलब्ध दस्तावेजों की जांच की जा रही है। ऐसे मामलों में रिश्वत की मांग और लेन-देन से जुड़े साक्ष्य जांच के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। लोकायुक्त अधिकारी कार्रवाई के दौरान बरामद रकम, शिकायत से संबंधित रिकॉर्ड और अन्य उपलब्ध सबूतों को केस का हिस्सा बना सकते हैं।

Delhi Metro से जुड़ी बड़ी खबर, सुबह 8 से रात 8 बजे के बीच आठ एक्स्ट्रा ट्रेनें चल रही हैं

दिल्ली में DTC बस हड़ताल को लेकर लोगों की ज्यादा भीड़ को संभालने के लिए दिल्ली मेट्रो ने बड़े इंतज़ाम किए हैं। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (DMRC) ने आज दिल्ली ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (DTC) की चल रही बस हड़ताल की वजह से अपने नेटवर्क पर यात्रियों की संभावित ज्यादा भीड़ को उनके गंतव्य स्टेशन तक पहुंचाया। सिस्टम पर दबाव कम करने के लिए, DMRC ने अपने नेटवर्क पर 20 ट्रेन ट्रिप बढ़ाई हैं। ज़रूरत के हिसाब से आज कुल आठ अतिरिक्त ट्रेनें चलाई गईं। डीएमआरसी के इन उपायों का मकसद ज्यादा से ज्यादा यात्री सुविधा देना है, खासकर पीक आवर्स के दौरान, और यात्रियों के लिए उनकी यात्रा को आसान बनाना है। दिल्ली मेट्रो की तरफ से यही बेहतर इंतज़ाम कल यानी 17 सितंबर 2026 को भी जारी रहेंगे। ऑपरेशनल ज़रूरतों के हिसाब से कल सुबह 08:00 बजे से रात 08:00 बजे के बीच आठ अतिरिक्त ट्रेनें चलाई जाएंगी। DMRC भरोसेमंद और कुशल सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है और यात्रियों से अनुरोध करता है कि वे अपनी यात्रा की योजना उसी के अनुसार बनाएं। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की हड़ताल बुधवार को दूसरे दिन भी जारी रही, जिसके कारण यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। अधिकतर नई इलेक्ट्रिक बसों के चालक मुख्य रूप से दैनिक वेतन में बढ़ोतरी, चिकित्सा सुविधाएं और ओवरटाइम का भुगतान किए जाने की मांग कर रहे हैं, इस वजह से उन्होंने हड़ताल की है। इस बारे में डीटीसी कर्मचारी एकता यूनियन के अध्यक्ष ललित चौधरी ने कहा, ''हम चालकों की मांगों का समर्थन करते हैं। अभी तक सरकार के किसी प्रतिनिधि ने हमसे संपर्क नहीं किया है। हमारी हड़ताल शांतिपूर्ण है और हमने बसें नहीं चलाने का फैसला किया है।'' हड़ताल कर रहे बस चालकों के अनुसार, बस को किसी तरह का नुकसान होने पर उन पर जुर्माना लगाया जाता है, जिसे उन्होंने हटाने की मांग की है। परेशान यात्रियों ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया बुधवार को सड़कों पर कम बसें उपलब्ध थीं, जिससे बहुत परेशानी हुई। बता दें कि फिलहाल दिल्ली में डीटीसी की कुल करीब 6,500 बसें हैं। हड़ताल के चलते दिल्ली में बसों पर निर्भर यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए मेट्रो और परिवहन के अन्य साधनों का सहारा लेना पड़ रहा है। खासतौर पर सुबह और शाम के व्यस्त समय में मेट्रो स्टेशनों तथा प्रमुख इंटरचेंज पर यात्रियों की संख्या बढ़ने की स्थिति में अतिरिक्त ट्रेनों से भीड़ को नियंत्रित करने की कोशिश की जा रही है। DMRC के मुताबिक, अतिरिक्त ट्रेनों के संचालन के साथ जरूरत के अनुसार सेवा व्यवस्था में बदलाव किया जा सकता है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे पीक आवर्स में यात्रा के लिए अतिरिक्त समय लेकर चलें और मेट्रो की उपलब्ध सेवाओं तथा अपने गंतव्य के अनुसार मार्ग की योजना पहले से बना लें।

इनकम टैक्स कमिश्नर और CISF DIG दंपति पर CBI का शिकंजा, आय से अधिक संपत्ति के मामले में FIR

नई दिल्ली। सीबीआई ने एक हैदराबाद के तत्कालीन इनकम टैक्स कमिश्नर जीवनलाल लाविदिया और उनकी पत्नी, तत्कालीन DIG, CISF, शिप्रा श्रीवास्तव के खिलाफ FIR दर्ज की है। आय से अधिक संपत्ति के मामले में यह FIR CBI की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा-III, नई दिल्ली द्वारा 10 सितंबर को दर्ज की गई है। FIR के मुताबिक आरोप है कि तत्कालीन इनकम टैक्स कमिश्नर जीवनलाल लाविदिया ने 1 अप्रैल 2022 से 10 मई 2025 की जांच अवधि के दौरान अपनी आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित की। इस दौरान लाविदिया की कुल आय 1,95,74,358 रुपये थी जबकि कुल संपत्ति और खर्च 3,07,52,247 रुपये थे। इस तरह से उन्होंने 1,11,77,889 रुपये आय से अधिक संपत्ति इकट्ठा की थी। एफआईआर में आरोपों के मुताबिक उनकी आय ज्ञात आय से 57.10% अधिक है। FIR में आगे आरोप है कि शिप्रा श्रीवास्तव ने अपने पति को कथित आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने में मदद की। FIR में कहा गया है कि जांच अवधि के अंत में लाविदिया और उनके परिवार की कुल संपत्ति 4,31,60,820 रुपये आंकी गई है। उसी शिकायत के आधार पर 9 मई 2025 को लाविदिया और श्रीवास्तव के आवासीय परिसरों सहित विभिन्न स्थानों पर तलाशी ली गई थी।

कंपनी के खाते से गायब हुए ₹12.84 करोड़, दिल्ली पुलिस ने सुलझाई डिजिटल डकैती की गुत्थी

नई दिल्ली। पुलिस की स्पेशल सेल की IFSO (इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशन्स) यूनिट ने एक बड़े अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय साइबर फ्रॉड सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। ठगों ने Hero FinCorp Ltd. के कॉर्पोरेट बैंक खाते में सेंध लगाकर कुल 12,84,09,997 (लगभग 12.84 करोड़ रुपए) की डिजिटल डकैती को अंजाम दिया था। आइए जानते हैं क्या है पूरी खबर। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में देश के विभिन्न हिस्सों में छापेमारी कर 5 मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें RBL बैंक का एक रिलेशनशिप मैनेजर भी शामिल है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने ठगी की रकम में से करीब 1.70 करोड़ रुपए को विभिन्न बैंक खातों में होल्ड करवा दिया है। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने Hero FinCorp के कॉर्पोरेट अकाउंट से 317 अनधिकृत डिजिटल ट्रांजैक्शन किए। इस धन राशि को 34 अलग-अलग फर्जी व किराए के बैंक खातों (Mule Accounts) में ट्रांसफर किया गया था। जयपुर में कार्यरत विकास (RBL बैंक रिलेशनशिप मैनेजर) ने सह-आरोपी नमन कुमार को यस बैंक और इंडसइंड बैंक में खाते खुलवाने में मदद की और उसे मुख्य नेटवर्क से जोड़ा और हरमन से भी मिलवाया। नमन कुमार के इंडसइंड बैंक खाते में करीब 70 लाख रुपए और यस बैंक खाते में 40 लाख रुपए ट्रांसफर हुए थे। जांच में नमन का इंडसइंड बैंक खाता राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (NCRP) पर दर्ज देशभर की 43 शिकायतों से जुड़ा पाया गया। ठगों ने नमन को दिल्ली बुलाकर कृष्णा नगर स्थित 'होटल निरवाना रेजीडेंसी' में ठहराया और एपीके (APK) फाइल के जरिए उसके खाते को ऑपरेट किया। हरमन टेलीग्राम पर सक्रिय चीनी साइबर अपराधियों के संपर्क में था। इसने कमीशन के लालच में नमन के खातों को संचालित किया, जिसके बदले इसे 1.5 लाख मिले थे। लवली के बैंक खाते में ठगी के 80 लाख रुपए पहुंचे थे। इसने यह खाता सत्या नाम के एक फरार आरोपी के कहने पर खुलवाया था। अभय कुमार सोलंकी इसके खाते में 60 हजार रुपए की राशि आई थी, जिसे उसने एटीएम के जरिए निकाल लिया था। IFSO की जांच में इस पूरे खेल का तार चीन और दुबई में बैठे साइबर अपराधियों से जुड़ा मिला है।

CBI ने MCD के वरिष्ठ सचिवालय सहायक समेत 3 को किया अरेस्ट, बिल बोर्ड, होर्डिंग और LED लगाने के बहाने लेते थे रिश्वत

सीबीआई की टीम ने लाखों की रिश्वत लेने के मामले तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) ने रिश्वतखोरी के एक मामले में MCD के एक वरिष्ठ सचिवालय सहायक समेत तीन लोगों को 15 लाख रुपये की रिश्वत की रकम के लेन-देन के दौरान गिरफ्तार किया है। CBI ने 16 सितंबर 2026 को MCD के एक इंस्पेक्टर और अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। आरोप है कि आरोपी भ्रष्ट गतिविधियों में शामिल थे और टेंडर की अवधि समाप्त होने के बाद भी बिल बोर्ड, होर्डिंग और LED डिस्प्ले लगाने की अनुमति देने के बदले रिश्वत लेते थे। इसके अलावा स्वीकृत संख्या से अधिक अतिरिक्त बिल बोर्ड लगाने की अनुमति देने के लिए भी बड़ी रकम बतौर अवैध रिश्वत लिए जाने का आरोप है। FIR दर्ज करने के बाद CBI ने 16 सितंबर को जाल बिछाया। इसी दौरान नई दिल्ली में 15 लाख रुपये की रिश्वत की रकम के लेन-देन के समय MCD के वरिष्ठ सचिवालय सहायक और दो निजी व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान CBI ने 25.25 लाख रुपये की नकदी भी बरामद की है। मामले से जुड़े अलग-अलग स्थानों पर आगे की तलाशी जारी है। CBI की जांच अभी जारी है। सीबीआई का कहना है कि इस कड़ी में और भी गिरफ्तारियां हो सकती हैं। अनिल कुमार उर्फ खत्री, SSA (सीनियर सेक्रेटेरिएट असिस्टेंट), साउथ और नजफगढ़ ज़ोन, विज्ञापन विभाग, MCD, नई दिल्ली।

अनंत कुमार शर्मा, M/s नक्स क्रिएटर्स प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर।

दिलीप पटेल, M/s नक्स क्रिएटर्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि।

वहीं, दूसरी ओर सीबीआई ने रिश्वत के एक मामले में लखनऊ में रिसर्च डिजाइन एंड स्टैंडर्ड्स ऑर्गनाइजेशन (RDSO) के दो सीनियर अधिकारियों समेत 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान आरडीएसओ के उप निदेशक आशुतोष कुमार और वरिष्ठ अनुभाग अभियंता दीपक कुमार के रूप में हुई है।

अधिकारियों ने बताया कि इसके अलावा कोलकाता स्थित निजी कंपनी 'उत्कर्ष इंडिया लिमिटेड' के दो प्रतिनिधि- शशांक अग्रवाल और स्वरूप कुमार राय भी गिरफ्तार किए गए हैं। लखनऊ में हुई इस कार्रवाई में सीबीआई ने आरोप लगाया है कि आरडीएसओ के अधिकारियों और निजी कंपनी के प्रतिनिधियों के बीच रिश्वत से जुड़ा लेन-देन हुआ। आरडीएसओ रेलवे से संबंधित तकनीकी मानकों और परीक्षण प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, इसलिए मामले की जांच में यह भी देखा जाएगा कि कथित रिश्वत का संबंध किस काम या प्रक्रिया से था। जांच एजेंसी दोनों मामलों में गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पूछताछ कर रही है। दिल्ली के मामले में बरामद 25.25 लाख रुपये नकद और 15 लाख रुपये के कथित लेन-देन से जुड़े साक्ष्यों की भी जांच की जा रही है। सीबीआई यह पता लगाने का प्रयास करेगी कि कथित रिश्वत की रकम किसके निर्देश पर ली जा रही थी और इसमें अन्य अधिकारियों या निजी व्यक्तियों की कोई भूमिका थी या नहीं। MCD से जुड़े मामले में बिल बोर्ड, होर्डिंग और एलईडी डिस्प्ले लगाने की अनुमति से संबंधित आरोप सामने आए हैं।

राजस्थान मेयर चुनाव में रिसोर्ट पॉलिटिक्स शुरू, कांग्रेस ने पार्षदों को भेजा कर्नाटक

राजस्थान में निकाय चुनाव के बाद पार्षदों की बाड़ेबंदी शुरू हो गई है। अजमेर में मेयर चुनाव से पहले कांग्रेस ने अपने सभी पार्षदों को कर्नाटक भेज दिया है। सूत्रों के मुताबिक, कर्नाटक के सीएम डीके शिवकुमार के रिसोर्ट में पार्षदों को ठहराया गया है। कांग्रेस को डर है कि उसके पार्षदों को खरीदा जा सकता है। इसी से बचाने के लिए पार्षदों को बेंगलुरू भेजा गया है। अजमेर में मेयर किस पार्टी का बनेगा इसका फैसला निर्दलीय पार्षदों के हाथ में है। अजमेर निकाय चुनाव में बीजेपी और कांग्रेस किसी को भी स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है, हालांकि यहां पर कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। कांग्रेस निर्दलीय पार्षदों के सहयोग से अपना बोर्ड बना सकती है। अजमेर नगर निगम के 80 वार्डों में से 37 पार्षद कांग्रेस के हैं। कांग्रेस बहुमत से है सिर्फ चार सीट दूर है, जबकि बीजेपी के पास 32 पार्षद हैं। 11 निर्दलीय पार्षद हैं। यही निर्दलीय निर्णायक भूमिका निभाएंगे। बता दें कि अजमेर शहर को विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का गढ़ माना जाता है। इस बार नगर निगम चुनाव में कांग्रेस ने 37 वार्ड में जीत दर्ज कर सबको चौंका दिया है। भाजपा ने 32 वार्डों में जीत दर्ज की है, जबकि निर्दलीय प्रत्याशियों ने भी दमदार प्रदर्शन करते हुए 11 वार्डों में बाजी मारी है। ऐसे में 11 निर्दलीय पार्षदों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो गई है।

चुनाव आयोग ने TMC के दोनों खेमों को बुलाया, ममता के हाथ से छिन जाएगा तृणमूल का सिंबल?

तृणमूल कांग्रेस के चुनाव चिह्न को लेकर छिड़े विवाद के बीच अब चुनाव आयोग ने हस्तक्षेप किया है। केंद्रीय चुनाव आयोग ने कल यानी गुरुवार, 17 सितंबर को टीएमसी के दोनों गुटों को अलग-अलग समय पर बुलाया है। चुनाव आयोग ने जहां टीएमसी के बागी नेता रीतब्रत बनर्जी के गुट को दोपहर तीन बजे अपनी दलीलें रखने के लिए बुलाया है। वहीं टीएमसी को खड़ा करने वाली ममता बनर्जी के तृणमूल खेमे को दोपहर चार बजे पेश होना है। बता दें कि पश्चिम बंगाल की दो विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव को देखते हुए चुनाव आयोग का यह कदम बेहद अहम माना जा रहा है। जानकारी के मुताबिक चुनाव आयोग कल दोनों गुटों की दलीलें सुनने के बाद चुनाव चिह्न पर बड़ा फैसला ले सकता है और उसका यह फैसला पूरी तरह अंतरिम होगा। बता दें कि पश्चिम बंगाल की रेजिनगर और नंदीग्राम विधानसभा सीटों पर छह अक्टूबर को उपचुनाव के लिए वोटिंग होगी। ऐसे में आयोग चाहता है कि उपचुनाव से पहले टीएमसी के सिंबल को लेकर स्थिति साफ हो जाए। आयोग किसी एक खेमे को यह सिंबल अस्थायी तौर पर दे सकता है, या इसके अलावा दोनों गुटों के लिए अलग-अलग नए चुनाव चिन्ह भी तय किए जा सकते हैं। अब चुनाव आयोग के सामने दोनों ही पक्षों को अपनी बात रखनी होगी और अपने समर्थन वाले नेताओं और विधायकों की लिस्ट देनी होगी। अगर गेंद रितब्रत गुट के पाले में गई तो ममता बनर्जी से उनकी ही पार्टी का सिंबल उनसे छिन जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक गजेंद्र सिंह राठौड़ के लिए मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर - 302012 (राजस्थान) से मुद्रित व प्लॉट नंबर - 12 सी, श्री राम नगर विस्तार, स्कीम 12सी, झोटवाड़ा, जयपुर, राजस्थान - 331403 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा) समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार I RNI No. - RJBIL/26/A5611 प्रबंध सम्पादक - गजेंद्र सिंह राठौड़, मो . 9461119998, E-mail: info@zoomnews.in